राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 10 दिसंबर 2024 वर्ष-7,अंक-314 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

शंभू बॉर्डर को खोलने के लिए लगी याचिका सुप्रीम कोर्ट से खारिज

नई दिल्ली। किसानों के प्रदर्शन के कारण बंद शंभू बॉर्डर को खोलने के लिए लगी याचिका को सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस तरह के मामले पहले ही कोर्ट में चल रहे हैं, फिर बार-बार क्यों इस तरह की याचिका दाखिल की जा रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिका दाखिल करने से धारणा देखकर लगाता हैं कि केवल लोगों को दिखाने के लिए और प्रचार के लिए मुकदमे करने के लिए आया है। दरअसल यह याचिका जालंधर के रहने वाले गौरव लूथरा ने लगाई थी। उन्होंने मांग की थी कि केंद्र के साथ हरियाणा और पंजाब की राज्य सरकारों को आदेश दिया जाए कि शंभू बॉर्डर सहित उन सभी स्टेट-नेशनल हाईवेज को ट्रैफिक के लिए खोला जाए, जो किसानों की वजह से बंद किए गए हैं। हाईवेज को इस तरह बंद करना नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। यह नेशनल हाईवे एक्ट के भी खिलाफ है, जो अपराध के दायरे में आता है। गौरव के वकील ने कहा कि शीर्ष अदालत द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन सड़क बंद होने की वजह से लोगों को दिक्कत होती है।

बांग्लादेश में झगड़ा सरकार से है तो फिर हिंदुओं को क्यों मारा गया

-विहिप नेता बोले-देश में ऐसी सरकार हो जो हिंदुओं को सुरिक्षत कर सके

बदायूं। बिल्सी नगर पहुंचे विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि 300 साल पहले मुगल सल्तनत थी, तब जितनी भी मस्जिद बनी हैं, सभी मंदिर को तोड़कर बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि सीताराम गोयल नामक एक विद्वान ने भारत के डिस्ट्रिक्ट वाइज कितने मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाई गई हैं, बताया है। ऐसी 20 हजार की सूची भी है, यह सभी पढ़ी है। तोगड़िया ने बांग्लादेश हिंसा को लेकर कहा कि फिलिस्तीन ने इजराइल के 300 लोगों को मारा तो इजराइल ने उनके 42 हजार लोगों को मारा। सीरिया, लेबनान तक घुसकर मारा, अगर झगड़ा बांग्लादेश सरकार से था तो हिंदुओं को क्यों मारा गया। देश में ऐसी सरकार होनी चाहिए, जो हिंदुओं को सुरक्षित कर सके और उचित जवाब दे सके। मेरी बात को मोदीजी, राजनाथजी और अमित शाह जरूर समझेंगे। उन्होंने महाकुंभ में आने वाले लोगों को बेहतर सुविधाएं देने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन 45 हजार लोगों को कंबल, मोबाइल चार्जिंग पावर बैंक और भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था उनके द्वारा की जा रही है। उनका कहना है कि करीब 40 लाख लोगों को महाकुंभ में उनके द्वारा बेहतर सुविधाएं देने की व्यवस्थाएं की जानी हैं।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख के टैंक से गिरने का वीडियो वायरल

नई दिल्ली । सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी आर्मी का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में देख सकते हैं पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर दो और अधिकारियों के साथ टैंक पर खड़े दिख रहे हैं। हालांकि 7 सेकंड के वीडियो में कभी वे आगे की तरफ गिरते दिख रहे हैं, तब कभी पीछे की तरफ गिर रहे हैं। हालांकि वीडियो में उनके गिरने का पैटन कुछ अलग सा लग रहा है। जब वीडियो की पड़ताल की तब यह वीडियो एआई से बनाया हुआ मिला। सोशल मीडिया पर एक एक्स यूजर ने दावा किया कि चीन के सामने अभ्यास करते हुए पाकिस्तान के आर्मी के जवान टैंक से गिर गए। वहीं एक अन्य यूजर ने भी वीडियो को पोस्ट करते हुए लिखा पाकिस्तानी सेना के जनरल असीम मुनीर और उनके अधीनस्थों के लिए एक शर्मनाक पल।

श्रीनगर में नेशनल हाईवे पर संदिग्ध आईईडी मिलने से हड़कंप

बारामुला । श्रीनगर में नेशनल हाईवे पर संदिग्ध आईईडी मिलने की सनसनी मच गई है। जानकारी के मुताबिक, हैदरबाग के पास श्रीनगर बारामुल्ला रोड पर राष्ट्रीय राजमार्ग पर संदिग्ध आईईडी पाया गया। इस दौरान हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे और यातायात रोका गया। बारामूला जिले के पट्टन इलाके में नेशनल हाईवे पर सोमवार की सुबह एक संदिग्ध आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) जैसी वस्तु बरामद की गई है। इलाके में एक निजी स्कूल के पास नेशनल हाईवे पर एक संदिग्ध बैग मिला है, जिसमें आईईडी होने की संभावना हुई, जिसके बाद पुलिस, सेना की 29आरआर, एसएसबी और सीआरपीएफ की एक टीम मौके पर पहुंची। इस बीच, वस्तु का पता लगाने के लिए बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया है। हालांकि, एहतियात के तौर पर नेशनल हाईवे के दोनों ओर यातायात रोक दिया गया है। जल्द ही अधिक जानकारी दी जाएगी।

आज दुनिया का हर एक्सपर्ट, हर इन्वेस्टर भारत को लेकर है उत्साहित-पीएम

भारत दुनिया की 5 वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना, भारत आज दुनिया की 5 वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है

▸▸ पीएम ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024, पीएम मोदी ने किया उद्घाटन

जयपुर ।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 का आज पीएम नरेन्द्र मोदी ने उद्घाटन किया राइजिंग राजस्थान समिट से जुड़ी फिल्म को प्ले कर उद्घाटन किया। समिट को सम्बोधित करते हुए पीएम ने कहा कि राजस्थान की विकास यात्रा में आज एक और अहम दिन है। देश और दुनिया से बड़ी संख्या में प्रतिनिधि और निवेशक यहां पधारे हैं। यहां उद्योग जगत के भी अनेक साथी मौजूद हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में आप सभी का अभिनंदन है। मैं राजस्थान की भाजपा सरकार को इस शानदार आयोजन के लिए बधाई दूंगा।

पीएम मोदी ने कहा कि आज दुनिया का हर एक्सपर्ट, हर इन्वेस्टर भारत को लेकर बहुत ही उत्साहित है। रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म के मंत्र पर चलते हुए भारत ने जो विकास किया है, वो हर क्षेत्र में नजर आ रहा है। आजादी के बाद, सात दशक में भारत, दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन पाया था, जबकि पिछले 10 वर्ष में भारत 11वीं अर्थव्यवस्था से दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। बीते 10 साल में भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था करीब-करीब डबल की है। बीते 10 साल में भारत का निर्यात भी करीब-करीब डबल हो गया है। 2014 से पहले के दशक की तुलना में बीते दशक में एफडीआई भी दोगुना से अधिक हुआ है। उन्होंने कहा कि डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी, डिजिटल डेटा और डिलीवरी की ताकत क्या होती है, ये भारत की सफलता से पता चलता है। भारत में जैसे डायवर्स देश में लोकतंत्र इतनी सशक्त हो रही है, ये अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। डेमोक्रेटिक रहते हुए मानवता का कल्याण, भारत का मूल चरित्र है। आज भारत की जनता अपने डेमोक्रेटिक हक के माध्यम से भारत में स्थिर सरकार के लिए वोट कर रही है। भारत के इस पुरातन संस्कार को हमारी युवा शक्ति आगे बढ़ा रही है। मोदी ने कहा, आने वाले अनेक वर्षों तक भारत, दुनिया के सबसे युवा देशों में रहने वाला है। भारत में युवाओं का सबसे बड़ा पुल होने के साथ ही सबसे बड़ा स्किल्ड युवा वर्ग भी होगा। इसके लिए सरकार एक के बाद एक कई फैसले ले रही है। आजादी के बाद की सरकारों की प्राथमिकता न देश का विकास था और न ही देश की विरासत और इसका नुकसान राजस्थान उठा चुका है। आज

देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री narendramodi ने जयपुर में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री @BhajanlalBjp, राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागड़े सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता, देश एवं विदेश के कई दिग्गज उद्योगपति उपस्थित रहे।

हमारी सरकार विकास भी, विरासत भी' के मंत्र पर चल रही है और इसका बहुत बड़ा लाभ हमारे राजस्थान को हो रहा है। राजस्थान के पास नेचुरल रिसोर्सेस का भंडार है राजस्थान के पास आधुनिक कनेक्टिविटी का नेटवर्क है। एक संपर्क विरासत है। एक बहुत बड़ा लैंडमार्क है। साथ ही बहुत ही समर्पित युवा शक्ति भी है। राजस्थान के सामर्थ्य राज्य को इन्वेस्टमेंट के लिए बहुत ही एटीट्यूड डेस्टिनेशन बनता है। राजस्थान की एक और विशेषता है राजस्थान में सीखने का गुण है अपना समर्थ बढ़ाने का गुण है।

पहाड़ी इलाकों में हुई बर्फबारी,

सफेद चादर बिछते ही खिले पर्यटकों के चेहरे

▸▸ 2-3 डिग्री गिरा पारा, कुछ दिनों में शीतलहर और ठंड बढ़ने की संभावना

शिमला। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में सीजन की पहली बर्फबारी ने पहाड़ी इलाकों को सफेद चादर में लपेट दिया है। केदारनाथ, बद्रीनाथ, औली, जोशीमठ और शिमला में कई स्थानों पर बर्फबारी ने पर्यटन स्थलों को सजा दिया है, बल्कि पर्यटकों के चेहरे भी खिल गए हैं। केदारनाथ में भारी बर्फबारी के चलते मंदिर और उसके आसपास के इलाके बर्फ से ढक गए हैं। बद्रीनाथ, चमोली और गंगोत्री में भी बर्फ की मोटी परत से नजारा अद्भुत नजर आ रहा है। इन स्थानों पर चले रहे निर्माण कार्य रोक दिए गए हैं। शिमला में भी सीजन की पहली बर्फ गिरी, जिससे तापमान में 2-3 डिग्री नीचे गिर गया। बर्फबारी के कारण गाड़ियां और सड़कों पर बर्फ जम गई, जिससे स्थानीय लोगों और पर्यटकों को आकर्षण का नया अनुभव मिला। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी से सर्द हवाएं चल रही हैं, जिससे निचले क्षेत्रों में कड़ाके की ठंड पड़ने लगी है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में शीतलहर और ठंड बढ़ने की संभावना जताई है। इस बर्फबारी से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। सैलानी इन स्थानों पर बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं और बर्फबारी का आनंद ले रहे हैं। औली और चमोली जैसे स्थानों पर बर्फीले खेलों और प्राकृतिक दृश्यों का लुत्फ उठाने का भी मौका मिल रहा है। बर्फबारी से कुछ इलाकों में सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं और यातायात भी असर पड़ा है। प्रशासन ने स्थानीय लोगों और पर्यटकों से सतर्क रहने और सुरक्षित यात्रा करने की अपील की है। यह बर्फबारी प्राकृतिक सुंदरता को बढ़ाती है। ठंड के मौसम का स्वागत करते हुए पर्वतीय जीवन का अद्भुत अनुभव भी कराती है।

आप की दूसरी लिस्ट जारी, पटपड़गंज की जगह जंगपुरा से मैदान में सिसोदिया

नई दिल्ली । दिल्ली विधानसभा चुनाव को देखकर आम आदमी पार्टी (आप) ने सोमवार को दूसरी लिस्ट जारी की। इसमें 20 उम्मीदवारों के नाम हैं। पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया जंगपुरा से चुनाव लड़ने वाले है। पहले वे पटपड़गंज से चुनाव लड़ते थे। आप ने यूपीएससी टीचर अवध ओझा को पटपड़गंज से उम्मीदवार बनाया है। ओझा ने 2 दिसंबर को ही पार्टी जॉइन की थी। आप की पहली लिस्ट 21 नवंबर को आई थी, जिसमें 11 उम्मीदवारों के नाम थे। इसमें भाजपा-कांग्रेस से आए 6 लोगों को टिकट दिया था। वहीं, आप ने तिमारपुर से मौजूदा विधायक दिलीप पांडेय की जगह भाजपा से आप में शामिल हुए सुरेंद्र पाल सिंह बिट्टू को उम्मीदवार बनाया है। तिमारपुर से पांडेय का टिकट कटा, पार्टी में विरोध तिमारपुर से पांडेय का टिकट कट गया है। उनकी जगह भाजपा छोड़कर आप में शामिल हुए बिट्टू को टिकट दिया गया है। विरोध में तिमारपुर में मंडल और बूथ स्तर के 67 पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अपना इस्तीफा राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को सौंप दिया है। दिल्ली में आप 10 साल से सत्ता में काबिज है। पार्टी सत्ता विरोधी लहर की काट के तौर पर अपने 20 से 30 उन मौजूदा विधायकों के टिकट काटने की रणनीति अपना रही है, जहां उनके खिलाफ जनता में नाराजगी है।

सीरिया में जंग के 13 साल में जमीन पर गई इकोनॉमी

अब कैसे उभरेगी एक बड़ा सवाल

नई दिल्ली ।

सीरिया में 50 सालों से चल आ रही असद सरकार का अंत हो गया है। सीरियाई विद्रोहियों को 50 साल पुरानी सत्ता का अंत करने में महज एक साल का समय लगा। विद्रोहियों ने राजधानी दमिश्क पर कब्जा किया। लेकिन 13 साल तक चली लड़ाई के चलते मुल्क की इकोनॉमी गर्त में चली गई है, अब इससे उभरने में कितना समय लगेगा, यह बड़ा सवाल है। यह महत्वपूर्ण पश्चिम एशियाई दुनिया में बहुत मायने रखता है। सीरिया में 2011 में युद्ध की शुरुआत हुई और इसके बाद से सीरिया की अर्थव्यवस्था का पतन होने लगा। राष्ट्रपति असद के शासन में यह मुल्क भ्रष्टाचार में डूबता गया और पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के कारण, सीरियाई अर्थव्यवस्था पर बोझ और बढ़ा। बशर अल असद के शासनकाल और गृहयुद्ध की शुरुआत से सीरिया की इकोनॉमी का तेजी से पतन हुआ। इसका अंदाजा मुल्क की जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय के आंकड़ों से लग सकता है। साल 2011 में सीरियी की जीडीपी की 67.5 बिलियन डॉलर थी, जो 10 साल बाद 2021 में महज 8.9 बिलियन डॉलर रह गई। किसी जमाने में सीरिया के लोगों की प्रति व्यक्ति आय 2971 डॉलर प्रति वर्ष रही, जो 2021 में घटकर 421 डॉलर प्रति वर्ष रह गई। साल 2011 से अब तक करीब 14 मिलियन (एक करोड़ 40 लाख) लोग सीरिया छोड़ने को मजबूर हुए, जबकि 70 लाख से ज्यादा लोग देश के अंदर डिस्प्लेस्ड हो गए। इस देश की 90 फीसदी आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करती है।

दो फ्लाइट्स की आपात लैंडिंग, हादसा टला

नई दिल्ली ।

सोमवार को देश में दो फ्लाइटों की इमरजेंसी लैंडिंग हुई जिससे आसमान में बड़े हादसे होने से बच गया। इन दोनों विमानों में कुल 200 यात्री सवार थे, लेकिन पायलटों की सूझ-बूझ और त्वरित निर्णय के कारण दोनों विमानों की सुरक्षित लैंडिंग संभव हो सकी। सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया। ये दोनों फ्लाइट्स स्पाइसजेट एयरलाइंस की थीं। पहली फ्लाइट दिल्ली से शिलॉन्ग जा रही थी, तभी उड़ान के दौरान विमान को एक बड़ा तकनीकी खतरा सामने आया। विमान के विंडशील्ड (हवा की खिड़की) में अचानक एक दरार आ गई जिससे विमान के अंदर हवा का दबाव कम हो गया और यात्रियों की सुरक्षा पर खतरा बढ़ने लगा। हालांकि पायलट ने तुरंत सूझबूझ दिखाई और विमान की इमरजेंसी लैंडिंग पटना एयरपोर्ट पर कर दी। इस इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान सभी 100 से ज्यादा यात्री सुरक्षित रहे और कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। वहीं दूसरी फ्लाइट कोच्चि जा रही थी, इसमें भी तकनीकी खराबी के कारण विमान को लैंड करना पड़ा। विमान के सिस्टम में तकनीकी दोष आ गया था इसकारण विमान को चेन्नई एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट किया गया। पायलटों ने तत्परता दिखाकर

विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई और सभी 100 यात्रियों की जान बचाई। इन दोनों घटनाओं में सबसे अहम बात यह थी कि पायलटों ने बहुत जल्दी और सही निर्णय लिया। विमान की समस्या का तुरंत आकलन कर दोनों पायलटों ने सुरक्षित लैंडिंग के लिए इमरजेंसी प्रक्रिया अपनाई और किसी भी यात्री को चोट नहीं आने दी।

क्या था कारण?

- पहली फ्लाइट में विंडशील्ड टूटने के कारण विमान में दबाव का असंतुलन हो गया जिससे विमान को पटना एयरपोर्ट पर उतारना पड़ा।
- दूसरी फ्लाइट में तकनीकी फॉल्ट आ गया था इसके चलते चेन्नई एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया।

सोरोस पर सदन में चर्चा कराने से स्पीकर ने किया इनकार

-सत्ता पक्ष ने की थी चर्चा कराने की मांग

नई दिल्ली।

बीजेपी सांसदों ने सोमवार को राज्यसभा में कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ सदस्यों के संबंध जॉर्ज सोरोस व उनसे जुड़े संगठनों के साथ होने का आरोप लगाया। बीजेपी सांसदों का कहना था कि यह हमारी राष्ट्रीय एकता के लिए चिंता का विषय है। इन सांसदों ने इस मुद्दे पर राज्यसभा में चर्चा कराने की मांग की। कांग्रेस ने बीजेपी के आरोपों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी और इसका विरोध किया। इसके बाद सत्ता पक्ष की ओर से सदन में जमकर हंगामा हुआ और सदन की कार्यवाही कुछ देर के लिए स्थगित करनी पड़ी। सोमवार को राज्यसभा की कार्यवाही शुरु होने पर सभापति ने बताया कि उन्हें चर्चा के लिए कुल 11 नोटिस मिले हैं। यह सभी नोटिस नियम 267 के अंतर्गत दिए गए थे। किसानों की स्थिति पर चर्चा के लिए रामजीलाल सुमन ने चर्चा का नोटिस दिया। संतोष कुमार पी ने मणिपुर की कानून व्यवस्था पर चर्चा के लिए नोटिस दिया था। कांग्रेस के इमरान प्रतापगढ़ी ने रतलाम के मध्य प्रदेश में अल्पसंख्यक समुदाय के बच्चों से दुर्व्यवहार पर चर्चा के लिए नोटिस दिया था। वहीं बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी, डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी, कविता पाटीदार, संजय कुमार झा और जीके वासन ने भारत के खिलाफ काम करने वाले संगठनों की राजनीतिक दलों से सांठगांठ के कारण राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बढ़ती चुनौती पर चर्चा की मांग की। बीजेपी की राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार ने सदन में कहा कि हमें कुछ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट से पता चला है कि कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ सदस्यों के संबंध जॉर्ज सोरोस और उनसे जुड़े संगठनों के साथ हैं। यह हमारी राष्ट्रीय एकता के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने सभापति से इस पर चर्चा कराई जाने की मांग की, लेकिन सभापति ने इसकी इजाजत नहीं दी। उन्होंने कहा कि गंभीर विचार करने के बावजूद भी मैं इन चर्चाओं के लिए सदन के अन्य सभी कार्यों को स्थगित करने की अनुमति नहीं दे सकता हूं। दरअसल नियम 267 के अंतर्गत चर्चा के दौरान सदन की अन्य सभी कार्यवाहियों को स्थगित कर दिया जाता है। इसके बाद सदन में जबरदस्त हंगामा शुरू हो गया। विपक्ष और कांग्रेस के सांसदों ने इस पर आपत्ति जताई। सदन में हंगामे के बीच सभापति ने कहा कि मेरी आप सभी से अपील है कि सदन को अपने तय नियमों के मुताबिक चलने दें। सभापति ने कहा कि यह हमारे संविधान का 75वां वर्ष है। वहीं बीजेपी सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा कि सदन में नियम 267 के तहत चर्चा की मांग उठाकर हम देश की जनता को यह बताना चाहते हैं कि कौन लोग देश की सुरक्षा के साथ षड्यंत्र कर रहे हैं। उनके बयान से नाराज कांग्रेस के प्रमोद तिवारी ने कहा कि सारा देश यह देख रहा है, सदन में सभापति के आदेश की अवहेलना हो रही है। शून्य काल में सत्ता पक्ष सदन को नहीं चलने दे रहा है। तिवारी ने कहा कि सदन की परंपरा रही है कि बिना सभापति की अनुमति के कोई नहीं बोलता है और जो बोलता है वह रिकॉर्ड में नहीं जाना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मानव के संरक्षण एवं अधिकारों के लिए कौन लड़ेगा?

साल 2024 में मनाए जाने वाले मानवाधिकार दिवस की थीम है, 'हमारे अधिकार, हमारा भविष्य, अभी'। किसी व्यक्ति के साथ किसी भी कीमत पर कोई भेदभाव न हो, समस्या न हो, सब शांति से खुशी-खुशी अपना जीवन जी सकें, इसलिए मानवाधिकारों का निर्माण हुआ। मानव अधिकार का मतलब मनुष्यों को वो सभी अधिकार देना है, जो व्यक्ति के जीवन, स्वतंत्रता, समानता एवं प्रतिष्ठा से जुड़े हुए हैं। यह सभी अधिकार भारतीय संविधान के भाग-तीन में मूलभूत अधिकारों के नाम से मौजूद हैं और इन अधिकारों का उल्लंघन करने वालों को अदालत द्वारा सजा दी जाती है। मानवाधिकार में स्वास्थ्य, आर्थिक सामाजिक, और शिक्षा का अधिकार भी शामिल है। मानवाधिकार वे मूलभूत नैसर्गिक अधिकार हैं जिनसे मनुष्य को नस्ल, जाति, राष्ट्रीयता, धर्म, लिंग आदि के आधार पर वंचित या प्रताड़ित नहीं किया जा सकता।

(लेखक- ललित गर्ग)

(मानव अधिकार दिवस-10 दिसम्बर, 2024)

संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा द्वारा घोषित दिवसों में एक महत्वपूर्ण दिवस है विश्व मानवाधिकार दिवस। प्रत्येक वर्ष 10 दिसम्बर को यह दिवस दुनियाभर में मनाया जाता है। इस महत्वपूर्ण दिवस की नींव विश्व युद्ध की विभीषिका से झुलस रहे लोगों के दर्द को समझ कर और उसको महसूस कर रखी गई थी। यह दिवस मानव के अस्तित्व एवं अस्मिता को अक्षुण्ण रखने के संकल्प को बल देता है। संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा ने 10 दिसम्बर, 1948 को सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणापत्र को अधिकारिक मान्यता प्रदान की थी। तब से यह दिन इसी नाम से मनाया जाने लगा। किसी भी इंसान की जिंदगी, आजादी, बराबरी और सम्मान का अधिकार है- मानवाधिकार। यह दिवस एक मील का पत्थर है, जिसमें समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित होती है। मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा में मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं की एक विस्तृत श्रृंखला निर्धारित की गई है, जिसकी सम्पूर्ण मानव जाति हकदार हैं। यह राष्ट्रीयता, निवास स्थान, लिंग, राष्ट्रीय या जातीय मूल, धर्म, भाषा या किसी अन्य स्थिति के आधार पर भेदभाव किए बिना हर व्यक्ति के अधिकारों की गारंटी देता है। साल 2024 में मनाए जाने वाले मानवाधिकार दिवस की थीम है, 'हमारे अधिकार, हमारा भविष्य, अभी'। किसी व्यक्ति के साथ किसी भी कीमत पर कोई भेदभाव न हो, समस्या न हो, सब शांति से खुशी- खुशी अपना जीवन जी सकें, इसलिए मानवाधिकारों का निर्माण हुआ। मानव अधिकार का मतलब मनुष्यों को वो सभी अधिकार देना है, जो व्यक्ति के जीवन, स्वतंत्रता, समानता एवं प्रतिष्ठा से जुड़े हुए हैं। यह सभी अधिकार भारतीय संविधान के भाग-तीन में मूलभूत अधिकारों के नाम से मौजूद हैं और इन अधिकारों का उल्लंघन करने वालों को अदालत द्वारा सजा दी जाती है। मानवाधिकार में स्वास्थ्य, आर्थिक सामाजिक, और शिक्षा का अधिकार भी शामिल है। मानवाधिकार वे मूलभूत नैसर्गिक अधिकार हैं जिनसे मनुष्य को नस्ल, जाति, राष्ट्रीयता, धर्म, लिंग आदि के आधार पर वंचित या प्रताड़ित नहीं किया जा सकता। विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र का मुख्य विषय शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगारी, आवास, संस्कृति, खाद्यान्न व मनोरंजन से जुड़ी मानव की बुनियादी मांगों से संबंधित है। विश्व के बहुत से क्षेत्र गरीबी से पीड़ित है, जो बड़ी संख्या वाले लोगों के प्रति बुनियादी मानवाधिकार प्राप्त करने की सबसे बड़ी बाधा है। उन क्षेत्रों में बच्चे, वरिष्ठ नागरिकों व महिलाओं के बुनियादी हितों को सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। इसके अलावा नस्ल भेद मानवाधिकार कार्य के विकास को बड़ी चुनौती दे रहा है। इसी तरह आदिवासी एवं दलितों के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार भी मानवाधिकार का बड़ा मुद्दा है। महिलाओं, बच्चों एवं वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़नाएं भी मानवाधिकार के सम्मुख बड़े संकट हैं। बात पेट जितनी पुरानी और भूख जितनी नई है 卐मानवाधिकार卐 की। दुनिया में जहां-जहां भी संघर्ष चल रहे हैं, चाहे सत्ता परिवर्तन के लिए हैं, चाहे अधिकारों को प्राप्त करने के लिए, चाहे जाति, धर्म और रंग के लिए वहां-वहां मानवाधिकारों की बात उठाई जाती रही है। हमारे देश में भी वक्त चाहे राजशाही का था, चाहे विदेशी हुकूमत का और चाहे स्वदेशी सरकार का हर समय किसी न किसी हिस्से में संघर्ष चलते रहते हैं। एक सौ चालिस करोड़ के देश में

विचार फर्क और मांगों की लंबी सूची का होना स्वाभाविक है। कानून और व्यवस्था का सीधा दायित्व पुलिस विभाग पर रहता है। उन्हें ही ऐसे आन्दोलनों से निपटना होता है। साधारण अपराध में लिप्त व्यक्ति से भी थाने में वे ही निपटते हैं। पुरुषों से तो बात उगलवाने के लिए मारपीट और अकारण बन्द रखने की घटनाएं तो आए दिन सुनने-पढ़ने को मिलती हैं लेकिन अब तो महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार की घटनाओं की संख्या भी चौंका देने वाली है। यह बात और है कि अगर किसी महिला के साथ अत्याचार होता है तो उसकी कोई सुनवाई नहीं होती। रह-रहकर होने वाली भारतीय पुलिस की बर्बरता की घटनाओं की अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर गूंज होती रहती है। लेकिन तब यह कहकर कि 卐हमें उनके उपदेशों की जरूरत नहीं卐 टाल देते हैं। कश्मीर में पुलिस को साधारण अपराधियों से नहीं, राष्ट्रविरोधी तत्वों से निपटना पड़ता है। वहां यह बात स्वीकार की जा सकती है कि जब राष्ट्र की सुरक्षा और मानवाधिकारों के बीच टकराव होता है तो राष्ट्र की सुरक्षा को प्राथमिकता मिलनी चाहिए, परन्तु इस बड़े सिद्धान्त की ओट में कोई खेल नहीं होना चाहिए। कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। कोई बदले की भावना नहीं होनी चाहिए। हमारा संविधान भी हमें मूलभूत अधिकारों से परिपूर्ण करता है, लेकिन मानव अधिकारों के हनन में भी हमारा देश पीछे नहीं है। आजादी के इतने सालों बाद भी बंधुआ मजदूरी को पूरी तरह से खत्म नहीं किया जा सका है। बाल मजदूरी जो एक मासूम की जिंदगी के साथ खिलवाड़ है, वह भी खुलेआम होता है। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी आज भी मुंह बाए खड़ी हैं। रोटी, कपड़ा और मकान जो लोगों की मूलभूत आवश्यकताएँ हैं वे भी हमारी सरकार पूरी नहीं कर पा रही हैं। शिक्षा का अधिकार, भोजन का अधिकार, रोजगार का अधिकार, स्वच्छ जीवन का अधिकार- ये सभी बुनियादी अधिकारों का हनन होना आज के समय में एक घिनौना पाप है, त्रासदी है, विडम्बना है। अगर आज भी हमारे देश के लोगों को जाति के नाम पर, धर्म के नाम पर, संप्रदाय के नाम पर, भाषा के नाम पर, क्षेत्र के नाम पर भेदभाव का शिकार होना पड़ता है तो लानत है इस देश के लोगों पर और यहाँ की सरकार पर। अधिकतर मामलों में अत्याचारियों, बाहुबलियों, अमीरों का साथ देकर बेबस और लाचार लोगों पर बर्बर व्यवहार होता हैं। आज भी देश में बहुत सारे ऐसे जगह हैं जहाँ लोग खुलकर साँस भी नहीं ले पा रहे हैं। दिल्ली में प्रदूषण की समस्या एक मानवाधिकार की बड़ी समस्या है। इलाज के नाम पर एवं शिक्षा के नाम पर जो लूट-खसोट सरेआम होती है, वह भी मानवाधिकार का खुला उल्लंघन है। हद तो तब हो जाती है जब लोगों के अभिव्यक्ति के अधिकारों का दमन हो जाता है। लोग अपने विवेक के अधिकार के इस्तेमाल पर भी डर महसूस करने लगते हैं। दुनियाँ के सबसे बड़े लोकतंत्र में लोगों को अपने दिल की बात बोलने और अपनी आस्थाओं को बरकरार रखने पर भी देशद्रोह जैसे आरोप लगाकर बेइज्जत किया जाता है। यह सब मानव अधिकार हनन की घटनाएं निःसंदेह ही स्वार्थपूर्ण राजनीति के चलते होती है। इसे हर व्यक्ति को समझने की जरूरत है। मानव अधिकारों के साथ उनके कर्तव्य भी जुड़े होते हैं, उनका भी पालन अतिआवश्यक है। सवाल है कि मानवाधिकार के संरक्षण एवं अधिकारों के लिए कौन लड़ेगा? साम्प्रदायिक दंगे, चोरी, लूट, महिलाओं पर अत्याचार, नशीली वस्तुओं का गैर कानूनी धंधा, रोजमर्रा की बात हो गई है। शांति-प्रिय नागरिकों का जीना मुश्किल हो गया है। जन प्रतिनिधियों और राजनीतिज्ञों पर लोगों का विश्वास नहीं रहा। कौन बचाएगा मानवाधिकार को? कौन रेखा खीचेगा असामाजिक तत्वों और सामान्य नागरिक के मानवाधिकारों के बीच? राष्ट्र के सर्वोच्च मंच लोकसभा के अध्यक्ष के आसन पर लिखा है- 卐धर्म-चक्र प्रवर्तनार्थ卐। धर्म के चक्र को न्यायपूर्वक चलाएं, इसे रुकने न दें। इसमें इतना और जोड़ें-न्याय के चक्र को धर्मपूर्वक चलाएं।

युद्ध हमेशा मानवता के खिलाफ होता है। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान मानव व्यक्तित्व और मानवाधिकार का जो उल्लंघन हुआ था, उसने संपूर्ण विश्व के शांतिवादियों को आन्दोलित कर दिया और यह सर्वत्र अनुभव किया जाने लगा कि यदि मानव के अधिकारों की सुरक्षा के लिए कोई कारगर कदम नहीं उठाया गया, तो मानवाधिकार महज एक मजाक बनकर रह जाएगा। मानवाधिकार दिवस एक प्रेरणा है, एक संकल्प है मानव को सम्मानजनक, सुरक्षित, सुशिक्षित एवं भयमुक्त जीवन का। जीवन के चौराहे पर खड़े होकर कोई यह सोचे कि मैं सबके लिये क्यों जीऊं? तो यह स्वार्थ-चेतना मानवाधिकार की सबसे बड़ी बाधा है। हम सबके लिये जीयें तो फिर न युद्ध का भय होगा, न असुरक्षा की आशंका, न अविश्वास, न हिंसा, न शोषण, न संग्रह, न शत्रुता का भाव, न किसी को नीचा दिखाने की कोशिश, न किसी की अस्मिता को लूटने का प्रयत्न। मानव जीवन के मूलभूत अधिकारों का हनन को रोकना एवं सारे निषेधात्मक भावों की अस्वीकृति का निर्माण ही नया मानव जीवन निर्मित कर सकेंगे और यही मानवाधिकार दिवस की सार्थकता होगी।

संपादकीय

बेघरों का बसेरा

कोई भी ऋतु हो, जब भी मौसम का चरम नजर आता है गरीब को इससे मार खानी पड़ती है। जब ठंड आती है तो शीतलहर से गरीब मरता है। बारिश होती है तो निचले इलाके में रहने वाले गरीब बाढ़ का शिकार होते हैं। गर्मी होती है तो वे लू से मारे जाते हैं। साधनविहीन लोग ही मौसम के चरम का शिकार होते हैं। कायदे से मौसम नहीं, गरीबी मारती है। लेकिन सवाल उठता है कि जनकल्याण के सिद्धांतों पर आधारित लोकतांत्रिक व्यवस्था में क्या सत्ताधीशों का दायित्व नहीं बनता कि वे राजनीतिक तमाशों से इतर अपनी जनता का ध्यान रखें? एक समय था कि राजा-महाराजा अपनी प्रजा का खुद ख्याल रखते थे। चौराहों पर अलाव जलाने की व्यवस्था होती थी। संवेदनशील राजा बाकायदा वेष बदलकर प्रजा के दुख-दर्द जानने निकलते थे। लेकिन ज्यों-ज्यों लोकतंत्र शिक्षित-विकसित होता गया, सत्ताधीशों की संवदेनशीलता कुंद होती चली गई। तभी शीत ऋतु की दस्तक के साथ ही अदालतों को सरकारों को अपना मूलभूत दायित्व याद दिलाना पड़ता है। बीते वीरवार को भी देश की शीर्ष अदालत ने दिल्ली के शहरी आश्रय बोर्ड यानी डीएएसआईबी को तलब किया कि दिल्ली में फिलहाल कितने आश्रयगृह हैं और वहां कितने लोगों को ठहराया जा सकता है। साथ ही आंकड़ा देने को कहा कि कितने लोग ऐसे हैं जिन्हें आश्रय की जरूरत है। निश्चित रूप से कड़ाके की ठंड में बीमार, लावारिस और मानसिक रूप से परेशान लोगों को संरक्षण देना प्रथम मानवीय कर्तव्य है। वैसे, अदालत की यह बात तो दिल्ली को लेकर है, लेकिन ऐसे प्रयास पूरे देश में होने चाहिए। कहने को तो राज्यों में स्थानीय निकाय भी रैन बसेरे तैयार करते हैं। लेकिन वे न तो पर्याप्त होते हैं और न ही उनमें पूरी सुविधाएं होती है। रैन बसेरे बना भी लिए जाएं तो वहां सफाई का खास ध्यान नहीं रखा जाता। नशेड़ियों और अपराधियों की सक्रियता से बेसहारा लोग यहां आने से कतराते हैं। निश्चित रूप से रेन बसेरे बनाया जाना सार्थक कदम है, लेकिन उनमें सुविधाओं, सुरक्षा और सफाई को प्राथमिकता के आधार पर देखा जाना चाहिए। इन्हें गंदगी, अराजकता व असुरक्षा से बचाने के लिये स्वयं सेवी संगठनों की सक्रियता की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। कायदे से ये दायित्व सरकारी एजेंसियों का होना चाहिए, लेकिन ऐसा होता नजर नहीं आता। दरअसल, केंद्र व राज्य सरकारों को निराश्रित लोगों के लिए मौसम के चरम आने पर एक स्थायी ढांचा उपलब्ध कराना चाहिए। जिसे तुरत-फुरत तैयार करके बेसहारा लोगों के लिये उपलब्ध कराया जाए। यूं तो देश में सामाजिक, व धार्मिक संगठन भी रेन बसेरा बनाते हैं,लेकिन यह सिर्फ खबरों की सुर्खियों में आने का जरिया मात्र नहीं होना चाहिए। यह सही मायनों में बेघरों का आश्रय होना चाहिए। साथ ही इनकी सुविधाओं की निगरानी निरंतर होनी चाहिए। दरअसल, इनके उद्घाटन समारोहों का जिस जोर-शोर से प्रचार किया जाता है, वैसा ध्यान इनके निरंतर सुचारु रूप से संचालन में नहीं होता। आज हर घर में ठंड से बचाव का अतिरिक्त सामान होता है। ऐसे ही हर व्यक्ति को मानवता के नाते जरूरतमंद लोगों की मदद करनी चाहिए।

युवा पीढ़ी को आज और अभी बचाना जरूरी

(लेखक- भूपेन्द्र गुप्ता)

बुंदेलखंड अंचल के छतरपुर जिले के एक छोटे से गांव में जहां पर संस्कृति और संस्कार की पकड़ समाज पर गहन होती है। वहां एक छात्र द्वारा अपने ही स्कूल के प्रिंसिपल को गोली मार देने की घटना देश को हिला देने वाली घटना है।

भारत के पिछले 100 साल के ज्ञात इतिहास में संभवतः यह पहली घटना है, जहां पर एक छात्र ने अपने प्रिंसिपल को गोली से भून डाला है। इसी समय मध्य प्रदेश के एक दूसरे गांव गरोठ में भी दलित परिवार द्वारा निर्माण किया जा रहे कार्य को रोकने के लिए एक दबंग ने गोली से महिला मजदूर को भून दिया है।

स्कूल के सहपाठी चार नावालिगों ने एक बच्ची से गैंगरेप कर ब्लैकमेल किया और बच्ची ने आत्महत्या कर ली। समाज में इतनी हिंसा, इतनी नफरत, इतनी असहिष्णुता,इतनी वासना कहां से आ रही है? क्या हमारा समाज अपने मूल्यों को बचाने में असफल हो रहा है ?क्या घृणा के दो छोर इतने कठोर हो चुके हैं कि अब शिष्य और गुरु के बीच में भी गोली ही अंतिम उपाय रह गया है।

समाज के रूप में अगर हम भारत को देखें तो यह गन कल्चर हमने अमेरिका में तो सुना था जहां पर बच्चे स्कूल के अंदर ताबड़तोड़ गोलियां चला देते हैं। यह हमने पाकिस्तान में भी सुना था लेकिन भारत में इस घटना का होना दर्शाता है कि समाज में जंग लग रही है और हमारा सिस्टम हमारी मूल्यानुगत परंपराएं इस उन्माद का समाधान खोजने में असमर्थ हैं। भारत के गांवों का हम अध्ययन करें तो पाते हैं कि विगत 10 वर्षों में गली कूचों और देहातों में जिन गरीब बस्तियों में ना तो नियमित रोजगार है न ही अतिरिक्त आमदनी , वहां भी आधा गांव नशे में डूबा है। नशीले पदार्थों का सेवन,धर्म,और जाति का नशा और इसकी फंडिंग राज्य को तो असफल कर ही रही है ,समाज के रूप में भी हमें असफल कर रही है। हम 10 वर्ष पहले यह दम भरने वाले राष्ट्र थे कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। हमारी 50 फीसदी आबादी युवा है और हम दुनिया को नेतृत्व देने की क्षमता रखते हैं।

हमारे इन दावों को तीन तरह से दुनिया के शैतानों ने तोड़ दिया है। एक- इन नौजवानों के हाथ में काम मत जाने दो उनकी जवानी नौकरी रोजगार खोजते खोजते ही समाप्त हो जाए। दो- शिक्षा पर हमला करो ताकि योग्यता और युवावस्था का सामंजस्य ना रहे। तीन- इस बेरोजगार नौजवान को नशे के दलदल में उतार दो जहां पर वह अपनी दुनिया से अनुपस्थित हो जाए। क्या भारत इस खतरे को भांप रहा है कि जिस जवानी पर वह दस साल पहले नाज कर रहा था आज उसके पांव लड़खड़ा रहे हैं।एक अध्धयन में यह बात सामने आई है कि उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं में 40फीसदी भी रोजगार के हिसाब से योग्य नहीं हैं।एम्प्लायबिलिटी का यह संकट दिखाई पड़ना चाहिये।

इसके पहले चीन भी स्मार्ट सिटी के चक्कर में फंसकर बहुत कुछ गंवा चुका है। वे शहर अब घोस्ट सिटी(भुतहा शहर) के रूप में जाने जाते हैं। चीन ने अपने आपको मास प्रोडक्शन और मेनपावर के नियोजन से बचा लिया है। हमें भी समय रहते यह करना होगा।

भारत की युवा पीढ़ी के एक राष्ट्र के रूप में इस मानव संसाधन(ऊर्जा) को हम नियमित कर पा रहे हैं।क्या हम उसे क्षमतावान संसाधन के रूप में दुनिया के सामने प्रस्तुत कर पा रहे हैं।

शायद नहीं..।आज आवश्यकता है कि सरकारें देश को इस तिहरे नागपाश से बचाने के लिये राष्ट्रीय नीति का निर्माण करें।यह नीति निम्न उपायों पर केंद्रित होकर मिशन मोड में क्रियान्वित हों। नौजवान बेरोजगारों को समयबद्ध तरीके से रोजगार से जोड़कर देश की उत्पादकता बढाने के उपाय। देश मे लाखों-करोड़ मूल्य के नशे के प्रवेश से समाज के विघटन को रोकने के उपाय।नशे के स्रोत और उसकी फंडिंग के मूल पर आक्रमण के उपाय।

शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के उपाय। नियोजनीयता कौशल के विकास को बढ़ाना।

अपराध ,अराजकता ,धर्म और जाति का उन्माद तथा कार्यकुशलता का अभाव इतने बड़े देश की आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सकता।चमचमाती हुई सड़कें तो कल भी बन सकती हैं लेकिन एक मुर्दा होती पीढ़ी को आज और इसी वक्त बचाना जरूरी है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

(चिंतन-मनन)

चैतन्य रहें

एक बार दो देवताओं में विवाद हो गया कि भाग्य बड़ा है या पुरूषार्थ? विवाद हर व्यक्ति के मन में पैदा होता है, चाहे मनुष्य हो, चाहे देवता हो। निश्चित हुआ, परीक्षा करें। एक देवता ने कहा- देखो! भाग्य बड़ा नहीं होता, पुरूषार्थ बड़ा होता है। दूसरे ने कहा- नहीं! उस आदमी को देखो। तुम्हें साक्षात् प्रमाणित करूंगा कि पुरूषार्थ बड़ा नहीं होता, भाग्य बड़ा होता है।

पति-पत्नी जा रहे थे। देवता ने रास्ते के बीच रत्नों का ढेर लगा दिया। रत्न ही रत्न बिखेर दिए। जब आस-पास आए, पत्नी ने कहा- अभी तो हमारी आंखे अच्छी हैं, हम देख सकते हैं, हमें सब कुछ दिखाई देता है। कभी ऐसा भी हो सकता है कि बुढ़ापा आने के साथ-साथ हमारी आंखें चली जाएं, हम अन्धे हो जाएं। फिर काम कैसे चलेगा? पति ने कहा - परीक्षा कर लें। देखें, कैसे काम चलेगा? दोनों ने आंखों पर पट्टी बांध ली। दोनों चले। जहां रत्न बिखरे हुए पड़े थे, ढेर लगा था आस-पास में, उससे आगे निकल गए। कुछ आगे जाकर पति बोला- आंखो के बिना काम तो चल जाएगा, ऐसी कोई बात नहीं है। खोल लो पट्टी। पट्टी खोल ली। देवता ने कहा - देखा तुमने! भाग्य में नहीं था, कुछ नहीं मिला। भाग्य बड़ा है पुरूषार्थ से। भाग्य और पुरूषार्थ की चर्चा को हम छोड़ दें किन्तु इस बात को हम नहीं छोड़ेंगे कि जब तक आंख पर मूर्च्छा की पट्टी बंधी हुई है, तब तक हमारे आस-पास में, हमारे सामने, दाएं-बाएं, चारों तरफजो सम्पदा बिखरी पड़ी है, उसका हमें कुछ भी पता नहीं चलता। हम उस सम्पदा से अनजान रह जाते हैं।

विचार मंथन

भारत में अरबपतियों की संख्या दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले मे सबसे ज्यादा

(लेखक- सनत जैन)

दुनिया के सभी देशों में जिस तरीके से अरबपतियों की संख्या बढ़ रही है, उसमें भारत का स्थान शीर्ष पर है। यूबीएस की एक रिपोर्ट हाल ही में प्रकाशित हुई है। उसके अनुसार चीन में अरबपतियों की संपत्ति सालाना 20 फीसदी की दर से बढ़ी है। पिछले 5 वर्षों में अब इसमें पांच फ़ीसदी की कमी आ गई है। 2020 से 2024 के बीच में अमेरिका के अरबपतियों की संपत्ति 58.5 फ़ीसदी की दर से बढ़ी है। वहीं भारत में अरबपतियों की संख्या 263 फ़ीसदी की दर से बढ़ रही है। इसको लेकर सारी दुनिया के देशों में आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है। भारत में पिछले 10 सालों में अरबपतियों की संपत्ति तीन गुना 77 लाख करोड़ से बढ़कर 203 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। पिछले 10 साल में भारतीय अरबपतियों की संख्या 83 से बढ़कर 185 पर पहुंच गई है। भारत में अरबपतियों की संपत्ति ओसतन पिछले वर्षों में 263 फ़ीसदी की दर से बढ़ी है। जो दुनिया के देशों में अपने आप में एक रिकॉर्ड है। भारत के शेयर बाजार की इसमें सबसे बड़ी भूमिका है। 2017 में क्रेडिट सुइस की एक रिपोर्ट में कहा गया था, भारत में बिजनेस स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टेड जो शीर्ष 500 कंपनियां हैं, उनकी संपत्तियों में बड़ी तेजी के साथ वृद्धि हुई है। भारतीय शेयर बाजार ने पिछले वर्षों में जिस तरह की ऊंचाइयां छुई है, उसके कारण सारा विश्व हतप्रभ है। पिछले 5 वर्षों में चीन में अरबपतियों की संख्या लगभग 16 फ़ीसदी घट गई है। चीन ने अपने गरीब और मध्यम वर्ग के नागरिकों की हालात को बेहतर बनाने के लिए अपनी नीतियों में परिवर्तन किया। जिसके सुखद परिणाम चीन में देखने को मिल रहे हैं। अमेरिका के अरबपति भी भारतीय अरबपतियों का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। पिछले 5 वर्षों में अमेरिका के अरबपतियों की संपत्ति 58.5 फ़ीसदी बढ़ी है। यूरोप के अन्य देशों में भी अमीरी बढ़ने की रफ्तार घटी है। इसी बीच भारत के अरबपतियों की संपत्ति में लगातार वृद्धि हो रही है। दुनिया के सभी देशों के अरबपतियों की संपत्ति 2015 में 533.5 लाख करोड़ थी। जो 2024 में बढ़कर 1185 लाख करोड रुपए पर पहुंच गई है। दुनिया के 185 अरबपतियों की संपत्ति के मामले में भारत के 102 उद्योगपति हैं। जिनकी संपत्ति पर तेजी के साथ वृद्धि हुई है। चीन के सिर्फ पांच हैं। पूंजीवाद के इस युग में भारत मे सबसे ज्यादा संपत्ति और आय अरबपतियों की बढ़ रही है। इन्हें भारत में सबसे कम टैक्स देना होता है। मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग की आय कम होती जा रही है। पिछले 10 वर्षों में टैक्स और शुल्क मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग पर बढ़ाए गए हैं। जिसके कारण असमानता, सामाजिक व्यवस्था में भारत की बढ़ती जा रही है। पिछले 10 वर्षों में भारत में अमीरी और गरीबी के बीच में खाई लगातार बढ़ती चली जा रही है। भारत की पहचान एक समाजवादी देश के रूप में थी। यहां पर पूंजीवाद और साम्यवाद दोनों मिलकर काम कर रहे थे। पिछले 10 वर्षों में जिस तरीके से भारत में पूंजीवाद बढ़ रहा है, उसने भारतीय अर्थव्यवस्था मे पूंजीवाद को असमान तरीके से बढ़ावा दिया है। पूंजीपतियों की कमाई बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। उनकी संपत्ति भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। इसकी तुलना में गरीब और मध्यम वर्ग की आय, खर्च की तुलना में लगातार कम हो रही है। जो भारत की सबसे बड़ी समस्या बनकर सामने आ रही है। भारत इन दिनों महंगाई और बेरोजगारी की समस्या से गुजर रहा है। 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज देना पड़ रहा है। मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग पर कर्ज लगातार बढ़ता जा रहा है। निम्न और मध्यम वर्ग की बचत लगातार घटती चली जा रही है। उनके ऊपर कर्ज भी बढ़ता चला जा रहा है। इसके विपरीत सारा कारोबार सरकारी नीतियों के कारण कॉर्पोरेट कंपनियों के पास पहुंच रहा है। फलस्वरुप अर्थव्यवस्था में बड़ा असंतुलन पैदा हो गया है। सरकार जो नीतियां बना रही है, उससे बड़े-बड़े पूंजीपतियों को सीधा लाभ पहुंच रहा है। 2014 के बाद से कॉरपोरेट सेक्टर का हर क्षेत्र में बड़ी तेजी के साथ एकाधिकार होता चला जा रहा है। जिसके कारण स्थानीय रोजगार और स्थानीय नौकरियां खत्म हो रही हैं। गरीबों और अमीरों के बीच में आर्थिक असमानता बढ़ती चली जा रही है। यह चिंता का विषय है। भारत की संपत्ति और आय पर, कुछ चुनिंदा परिवारों का एकाधिकार होता चला जा रहा है। जो चिंता का विषय है। वर्तमान स्थिति में सरकार को महंगाई और बेरोजगारी जैसी समस्याओं से निपटना है, तो सरकार को अपनी नीतियों पर बदलाव करना होगा। जिसका लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचे। जब लोगों के पास पैसा नहीं होगा, उनके पास कारोबार नहीं होगा, नौकरी नहीं होगी, तब यह बड़े-बड़े पूंजीपति अर्थव्यवस्था को किस तरह से बनाए रख पाएंगे। इस पर सरकार को चिंतन करने की जरूरत है। कृषि और खुदरा व्यवसाय में जिस तरह से पूंजीपति अपना आधिपत्य बनाते जा रहे हैं। अमीरी और गरीबी के बीच में सबसे ज्यादा खाई बन गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महंगाई का असर रिलायंस जियो और एयरटेल पर

टैरिफ की दरें घटाने पर विचार

नई दिल्ली । रिलायंस जिओ, एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने इंटरनेट रिचार्ज की दरें जुलाई माह से बढ़ा दी। इसके बाद से ही उनके उपभोक्ता कम होते चले गए। रेट तो बढ़ गये, लेकिन तीनों टेलीकॉम कंपनियों की कमाई कम हो गई। कुछ उपभोक्ताओं ने तीनों कंपनियों को छोड़कर बीएसएनल का कनेक्शन ले लिया। उपरोक्त तीनों कंपनियों को तीन माह के अंदर 1.68 करोड़ से अधिक ग्राहकों को खोना पड़ा। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस जिओ को हुआ है। रिलायंस जिओ के 1.27 करोड़ उपभोक्ता घट गए। भारतीय एयरटेल के 56 लाख उपभोक्ता और वोडाफोन के 48 लाख उपभोक्ता कम हो गए। कहां रेट बढ़ा कर ज्यादा कमाई करना थी। उल्टे वह पहले की तुलना में कम हो गई। अब तीनों कंपनियां एक बार फिर से अपने टेरिफ पर पुनर्विचार कर रही हैं। उपरोक्त तीनों कंपनियों में इस बात पर विचार हो रहा है। इंटरनेट का प्लान इस तरीके से तैयार करें। जिससे उपभोक्ता की क्रय शक्ति भी बनी रहे। उपभोक्ता भी उसके पास बने रहें। सूत्रों के अनुसार जल्द ही तीनों कंपनियां इंटरनेट टैरिफ को कम कर सकती हैं।

इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट के आईपीओ पर सभी की नजरें

397-417 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा किया तय

नई दिल्ली । ब्लैकस्टोन समर्थित कंपनी इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (इंडिया) लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 4,225 करोड़ रुपये का मूल्य दायरा तय किया है। इस आईपीओ में 1,475 करोड़ रुपये की नई शेयर्स बिक्री के लिए पेशकश की जा रही है। कंपनी ने बयान दिया है कि यह आईपीओ 13 दिसंबर को खुलकर 17 दिसंबर को बंद होगा। विशेषज्ञ बता रहे हैं कि यह एक बड़ा मौका है निवेशकों के लिए। बड़े (एंकर) निवेशक 12 दिसंबर को बोली लगाने के लिए अवसर पाएंगे। यह आरंभिक भागीदारी का मौका भी है। इस आईपीओ से कंपनी की वृद्धि और विकास को गति मिलेगी। नए शेयर्स के जरिए निवेशकों को भी आवास के लिए एक मौका प्राप्त होगा। इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (इंडिया) लिमिटेड के इस आईपीओ पर निवेशकों की उत्सुकता बढ़ गई है और विश्वास है कि यह निवेशकों के लिए एक लाभकारी मौका प्रदान करेगी।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना को बंद करने की तैयारी

सरकार ने अपने कर्ज और सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में कमी करने का लिया निर्णय

नई दिल्ली । केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2025-26 से सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना को बंद करने का तैयारी कर ली है। यह योजना निवेशकों को सोने की कीमत के बराबर भुगतान और ब्याज हासिल कराती थी, जिससे सरकार का वित्तीय बोझ बढ़ जाता था। सरकार ने अपने कर्ज और सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में व्यापक कमी करने का निर्णय लिया है और इस कदम के साथ सोने के आयात को भी कम किया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि 2026 के बजट में कर्ज घटाने के लिए एक विस्तृत योजना प्रस्तुत की जा सकती है। वित्त वर्ष 2025 में ऋण-जीडीपी अनुपात को 56.8 फीसदी रखने की उम्मीद है, जो 2024 में 58.2 फीसदी था। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना की शुरुआत 2015 में हुई थी और इसका उद्देश्य फिजिकल गोल्ड की जगह बॉन्ड में निवेश को बढ़ाना था। वित्त वर्ष 2025 में अब तक कोई नया गोल्ड बॉन्ड जारी नहीं किया गया है, जबकि पिछले वर्ष 18,500 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा गया था। यह कदम सरकार की दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता और राजकोषीय घाटे को नियंत्रित करने के लक्ष्य के साथ लिया गया है। यह निर्णय सरकार के वित्तीय बोझ कम करने और स्थिरता बनाए रखने के मार्ग पर एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके साथ ही इस योजना के बंद होने से सोने के आयात को भी कम किया जा सकेगा।

अदाणी समूह राजस्थान में 7.5 लाख करोड़ का करेगा निवेश

- कंपनी पांच वर्षों के भीतर 50 प्रतिशत निवेश करेगी

जयपुर ।

अदाणी समूह ने राजस्थान में 7.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा है कि वह पांच वर्षों के भीतर 50 प्रतिशत निवेश करेगी। यह निवेश विभिन्न क्षेत्रों में किया जाएगा जैसे ऊर्जा, हाइड्रोजन और जलविद्युत परियोजनाएं ओ दि। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार इस निवेश से राजस्थान में हरित रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे। उन्होंने बताया कि कंपनी की योजना दुनिया का सबसे बड़ा एकीकृत ऊर्जा परिवेश बनाने की है। यहां हुए राइजिंग राजस्थान शिखर सम्मेलन में अे धिकारी ने कहा कि कंपनी ने विभिन्न क्षेत्रों में इस विशाल निवेश की योजना बनाई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि

अदाणी समूह की दृष्टि में राजस्थान में उद्यमिता और विकास के लिए अच्छी ख़बरें हैं। इस निवेश से समृद्धि की कविता और विकास की कहानी में नया अध्याय शुरू होने का इन्तजार है। आगामी समय में इस निवेश से राजस्थान को एक नया रूप मिलने के उम्मीद है।

आदित्य बिड़ला समूह राजस्थान में 50,000 करोड़ करेगा निवेश

निवेश योजना में सीमेंट, दूरसंचार, फैशन रिटेल, आभूषण कारोबार आदि शामिल

जयपुर । आदित्य बिड़ला समूह ने अपनी विभिन्न कारोबारों में राजस्थान में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की है। समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने बताया कि इस निवेश में नवीकरणीय ऊर्जा में 6,000 करोड़ रुपये भी शामिल होगा। उन्होंने समूह की महत्वपूर्ण उपस्थिति के बारे में बताते हुए कहा कि समूह के छह व्यवसायों में सीमेंट, दूरसंचार, फैशन रिटेल, आभूषण कारोबार आदि शामिल हैं। बिड़ला ने राज्य में सीमेंट उत्पादन की बढ़ोतरी की योजना का भी खुलासा किया और बताया कि कंपनी अब एक करोड़ टन सीमेंट उत्पादन करेगी। समूह के अगले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण निवेश की योजना बनाने के लिए बिड़ला समूह राइजिंग राजस्थान निवेश शिखर सम्मेलन में शामिल हुए। इस घोषणा से राजस्थान की अर्थव्यवस्था को नया जीवन मिलने की उम्मीदें हैं और समूह के निवेश से राज्य में और विकास की राह खुल सकती है।

स्टार्टअप इंडिया पहलः भारतीय अर्थव्यवस्था को मिली 16.6 लाख नई नौकरियां

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स जैसे उभरते क्षेत्र भी भविष्य में वृद्धि दर्शाते हैं

नई दिल्ली । भारत सरकार के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के अनुसार स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स ने 55 उद्योगों में 16.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष नौकरियां सृजित की हैं। ये स्टार्टअप नई प्रौद्योगिकी पर अतिरिक्त काम करते हुए भारत के अर्थव्यवस्था में नये उद्यामियों को बढ़ावा देते हैं। इसमें हरित प्रौद्योगिकी 27,808 नौकरियां, नवीकरणीय ऊर्जा 41,523 नौकरियां और पेशेवर सेवाएं 94,060 नौकरियां जैसे क्षेत्र शामिल हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स जैसे उभरते क्षेत्र भी भविष्य में वृद्धि दर्शाते हैं। स्टार्टअप इंडिया पहल ने स्टार्टअप्स के लिए विभिन्न कार्यक्रम जैसे फंड ऑफ फंड्स, स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम, और क्रेडिट गारंटी स्कीम को प्रदान कर बिजनेस को बढ़ावा देता है। राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कार, राज्यों की स्टार्टअप रैंकिंग और इनोवेशन वीक जैसी पहल पूरे देश में समान अवसर उपलब्ध कराती हैं। इस योगदान से स्थापित होती स्टार्टअप इंडिया हब और भारत स्टार्टअप नॉलेज एक्सेस रजिस्ट्री ने स्टार्टअप्स के लिए संसाधनों और सहयोग को सुव्यवस्थित करने में सहायक साबित हुए हैं। भारत ने ग्लोबल स्टार्टअप सहयोग के लिए जी20 इंगेजमेंट ग्रुप जैसी महत्वपूर्ण पहल भी शुरू की है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दिन भर उतार-चढ़ाव के बाद बाजार टूटकर बंद हुआ। आज दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज और उपभोक्ता उत्पादों एफएमसीजी स्टॉक्स में गिरावट से बाजार नीचे आया । दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 200.66 अंक करीब 0.25 फीसदी नीचे आकर 81,508.46 पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 58. 80 तकरीब .24 फीसदी गिरावट के साथ ही 24619.00 पर बंद हुआ आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में हिंदुस्तान यूनिलीवर का शेयर सबसे अधिक 3 फीसदी से ज्यादा गिरकर बंद हुआ। टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, नेस्ले इंडिया, एशियन पेंट्स, आईटीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, स्टेट बैंक के शेयर मुख्य रूप से नीचे आये।

वहीं दूसरी ओर एलएंडटीका शेयर 2 फीसदी से ज्यादा ऊपर आकर बंद हुआ। टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचडीएफसी बैंक, अदाणी पोर्ट्स, कोटक बैंक के शेयर गिरावट में रहे।

आज बाजार में गिरावट का कारण हिंदुस्तान

यूनिलीवर जैसे एफएमसीजी स्टॉक्स में हुई भारी बिकवाली है। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में गिरावट से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। इसके अलावा भारत और अमेरिका के सीपीआई डेटा और ईसीबी नीति जैसे प्रमुख आर्थिक आंकड़ों से पहले निवेशकों के सतर्क रुख से भी बाजार नीचे आया।

वहीं मध्य पूर्व में जारी तनाव से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। इससे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ-साथ इस सप्ताह भारत और अमेरिका के सीपीआई डेटा और ईसीबी नीति जैसे प्रमुख आर्थिक आंकड़ों से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। इससे पहले आज सुबह सप्ताह के पहले कारोबारी दिन बाजार की शुरुआत गिरावट से हुई। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के कमजोर तिमाही बिक्री पूर्वानुमान के कारण एफएमसीजी शेयर फिसल गए। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 100 से ज्यादा अंकों की गिरावट लेकर 81,602.58 अंक पर खुला। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी मामूली गिरावट लेकर 24,633.90 अंक के स्तर पर खुला।

भारत में एफडीआई ने एक नया कीर्तिमान बनाया, 1 ट्रिलियन डॉलर के पार

- मायरीशस, सिंगापुर, अमेरिका, नीदरलैंड और कई अन्य देशों से आया निवेश

नई दिल्ली ।

बढ़ते चीनी टेंशन के मद्देनजर भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) ने एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिखाया है। अप्रैल 2000 से सितंबर 2024 के दौरान एफडीआई प्रवाह ने 1000 अरब डॉलर को पार करके 1033.40 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। यह आंकड़ा भारत को एक वैश्विक निवेशकों के लिए मुख्य निवेश स्थल के रूप में स्थिर रखता है। इस अवधि के दौरान एफडीआई से मायरीशस, सिंगापुर, अमेरिका, नीदरलैंड, जापान, ब्रिटेन, यूएई, और कई अन्य देशों से निवेश आया। इन निवेशों का मुख्य धारा वाणिज्य, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर, दूरसंचार, आयात-निर्यात, औद्योगिक विकास, ऑटोमोबाइल, रसायनिक उत्पादन, और दवा क्षेत्र में था। इस उच्च वृद्धि के साथ भारत में एफडीआई आगे बढ़ने की उम्मीद है। दुनिया भर में कई बड़ी कंपनियां अपने व्यापार की राह देख भारत को पसंद कर रही हैं। आगे बढ़ते भारत को धीरे-धीरे एफडीआई में से क्रिय होने के संकेत हैं, जिनके पीछे चीन के राजनीतिक सीने में उठाए गए उत्पीड़न का भय का। यह वाणिज्यिक सेवाओं में सुधार, उत्पादक सेक्टर में वृद्धि, और व्यवसो यिक पर राष्ट्रीय कारोबार में व्यापारिक

आकार में हो सकता है। यह उम्मीद की जा रही है कि दुनिया भर में कंपनियां चीन से हटकर, भारत को अपनी गतिशीलता का लाभ उठाएंगी, जिससे दोनों देशों के बीच एक नए एकांकी निकलेगा। इस तरह के उत्पीड़न से अनुमानित है कि भारत में एफडीआई में और भी प्रगति होगी।

स्टार्टअप इंडिया पहलः भारतीय अर्थव्यवस्था को मिली 16.6 लाख नई नौकरियां

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स जैसे उभरते क्षेत्र भी भविष्य में वृद्धि दर्शाते हैं

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत सरकार के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के अनुसार स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स ने 55 उद्योगों में 16.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष नौकरियां सृजित की हैं। ये स्टार्टअप नई प्रौद्योगिकी पर अतिरिक्त काम करते हुए भारत के अर्थव्यवस्था में नये उद्यामियों को बढ़ावा देते हैं। इसमें हरित प्रौद्योगिकी 27,808 नौकरियां, नवीकरणीय ऊर्जा 41,523 नौकरियां और पेशेवर सेवाएं 94,060 नौकरियां जैसे क्षेत्र शामिल हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स जैसे उभरते क्षेत्र भी भविष्य में वृद्धि दर्शाते हैं। स्टार्टअप इंडिया पहल ने स्टार्टअप्स के लिए विभिन्न कार्यक्रम जैसे फंड ऑफ फंड्स, स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम, और क्रेडिट गारंटी स्कीम को प्रदान कर बिजनेस को बढ़ावा देता है। राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कार, राज्यों की स्टार्टअप रैंकिंग और इनोवेशन वीक जैसी पहल पूरे देश में समान अवसर उपलब्ध कराती हैं। इस योगदान से स्थापित होती स्टार्टअप इंडिया हब और भारत स्टार्टअप नॉलेज एक्सेस रजिस्ट्री ने स्टार्टअप्स के लिए संसाधनों और सहयोग को सुव्यवस्थित करने में सहायक साबित हुए हैं। भारत ने ग्लोबल स्टार्टअप सहयोग के लिए जी20 इंगेजमेंट ग्रुप जैसी महत्वपूर्ण पहल भी शुरू की है।

देश में दोपहिया वाहनों की अच्छी मांग, नवंबर में खुदरा बिक्री 11.21 प्रतिशत बढ़ीः फाडा

इस साल 32,08,719 इकाई बिक्री गई, जबकि पिछले साल इसी समय में 28,85,317 इकाई थी

नई दिल्ली ।

दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री ने नवंबर महीने में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की है। इस बढ़ोतरी के साथ विभिन्न श्रेणियों के वाहनों की खरीदारी में वृद्धि दर्ज की गई है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार इस वृद्धि का मुख्य कारण अच्छे किसानी उत्पादन के आंकड़े और आर्थिक माहौल में सुधार की उम्मीद है। नवंबर महीने में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री में 11.21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें इस साल 32,08,719 इकाई बिक्री गई, जबकि पिछले साल इसी समय में 28,85,317 इकाई थी। इसके साथ ही यात्री वाहनों की बिक्री में कुछ गिरावट भी दर्ज की गई है, जो विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रही है। फाडा के अध्यक्ष ने इस संकेत को बताया कि ग्रामीण बाजारों से थोड़ी सी सहायता मिली है, लेकिन विवाह संबंधी बिक्री में कुछ कमी दर्ज हुई है। इस बढ़ोतरी के साथ, वाणिज्यिक वाहन खंड में भी

गिरावट दर्ज की गई है, जो व्यापक आर्थिक माहौल में सुधार की उम्मीद का संकेत देती है। इस अक्टूबर में हुई त्योहारी मांग के स्थानांतरण के कारण, डीलरों के अनुसार, दिसंबर महीने का तात्कालिक परिदृश्य मिश्रित है। इसके बावजूद आने वाले महीनों में उपभोक्ता भावना में सुधार की उम्मीद है।

फिनटेक फर्म ग्राहकों को दे रही 9.5 फीसदी तक ब्याज का ऑफर

- नए जमाने की फर्में इस तरह की दे रही हैं सेवाएं

मुंबई ।

फिनटेक कंपनियां अपनी वित्तीय सेवाओं के दायरे को बढ़ाते हुए सावधि जमा (एफडी) पर ध्यान दे रही हैं। स्टेबल मनी, फ्लिपकार्ट के निवेश वाली सुपरडॉट मनी और मोबिक्विक जैसी नए जमाने की फर्में इस तरह की सेवाएं दे रही हैं जिन पर अलग-अलग परिपक्वता अवधि की सावधि जमा पर 9.5 फीसदी तक का ब्याज दिया जा रहा है। यह पहला मौका है जब फिनटेक फर्में एफडी जैसे निवेश साधनों में दिलचस्पी दिखा रही हैं।

फिनटेक फर्में लघु वित्त बैंकों, जमा स्वीकार करने वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और वाणिज्यिक बैंकों के साथ साझेदारी कर इस तरह की सेवाएं मुहैया करा रही हैं। यह एक तरह की निजी साझेदारी है जिसके लिए नियामक से लाइसेंस की जरूरत नहीं होती है। हालांकि नियमों के मुताबिक जमा बीमा एवं ऋण गारंटी निगम द्वारा सावधि जमा में 5 लाख रुपये तक का बीमा होता है। फिनटेक कंपनियों द्वारा वित्तीय सेवाओं में सावधि जमा को शामिल करने की रणनीति को आय का स्रोत बढ़ाने और मुनाफे में आने का रणनीतिक प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। स्टेबल मनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कंपनियां पिछले साल भर से सावधि जमा की पेशकश कर रही हैं ताकि उनकी आय बढ़ सके और कुछ हद मुनाफा दिख सके। इस निवेश साधन में रुचि इसलिए भी बढ़ रही है क्योंकि शेयर बाजार में उठापटक के बीच सावधि जमा पर ब्याज दर भी अच्छा मिल रहा है।

देश के कई जिलों में पेट्रोल-डीजल सस्ता, कहीं महंगा

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरावट के साथ 71.12 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल कंपनियों ने सोमवार को देशभर में पेट्रोल और डीजल के खुदरा भाव जारी कर दिए हैं। सोमवार को यूपी से बिहार तक कई जिलों में तेल की कीमतों में गिरावट दिख रही है, जबकि कुछ जिलों में तेल के दाम बढ़ गए हैं। वैसे दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वैश्विक बाजार में भी कच्चे तेल की कीमतों में नरमी दिख रही है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, यूपी के गाजियाबाद जिले में पेट्रोल 12 पैसे महंगा होकर 94.70 रुपये लीटर बिक रहा है।

डीजल भी 14 पैसे गिरा और 87.81 रुपये लीटर पहुंच गया है। पड़ोस के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 10 पैसे महंगा हुआ और 94.70 रुपये लीटर हो गया, जबकि डीजल 14 पैसे चढ़कर 87.81 रुपये लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 18 पैसे टूटकर 105.23 रुपये लीटर तो डीजल 17 पैसे गिरकर 92.09 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरावट के साथ 71.12 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी बढ़कर 67.21 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है।

भारत में अरबपतियों की संख्या बढ़ी, 10 साल में संपत्ति तीन गुना बढ़ी

- अमेरिका और चीन के बाद भारत का तीसरा स्थान

नई दिल्ली ।

भारत में अरबपतियों की संख्या ने एक और बड़ी ऊंचाई पर छू ली है, जैसे अमेरिका और चीन के बाद यहां अरबपतियों की सबसे अधिक संख्या है। एक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि सालभर में इन धनवानों की दौलत में 42 फीसदी की वृद्धि भी हुई है। अमेरिका स्थित एक रेटिंग एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 32 नए अरबपति इस साल जुड़े हैं। वे विभिन्न क्षेत्रों में नए सफलता के संकेत दर्शाते हैं, दिखाते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से उभार की दिशा में अग्रसर हो रही है। टेक सेक्टर में भी अरबपतियों की संपत्ति में भयानक वृद्धि देखने को मिल रही है। इससे जुड़ी उछाल के पीछे जनरेटिव एआई, साइबर सुरक्षा, फिनटेक और रोबोटिक्स में ग्रोथ और निवेश के माध्यम से दौलत की वृद्धि हुई है। अरबपतियों का कारोबार सेक्टर में तेजी से बढ़ रहा है। चीन के संपत्ति सुधार कॉमर्शियल रियल एस्टेट पर महामारी के प्रभाव और ब्याज दरों में वृद्धि के कारण, ये क्षेत्र उस समय मुश्किल झेल रहे हैं। इस रिपोर्ट से स्पष्ट होता है कि भारत में धनिक व्यक्ति क्षमतायें और उदारीकरण के माध्यम से व्यापारिक मंच पर

अपनी मौजूदगी बनाए रख रहे हैं। यह आर्थिक विकास के दिशा सूची बनाने के लिए एक अच्छा संकेत है और भविष्य में इन अरबपतियों की संख्या में और वृद्धि की उम्मीद की जा सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दक्षिण अफ्रीका डब्ल्यूटीसी प्वाइंट टेबल में पहले स्थान पर पहुंचा, जानें कैसे फाइनल में पहुंचेगा भारत

गक्बेरहा (दक्षिण अफ्रीका) (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट के आखिरी दिन सोमवार को श्रीलंका को 109 रनों से हराकर श्रृंखला 2-0 से अपने नाम कर ली। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की तालिका में पहले स्थान पर पहुंच कर फाइनल के लिए अपना दावा मजबूत कर लिया। दक्षिण अफ्रीका को अब अपनी घरेलू सरजमीं पर पाकिस्तान के खिलाफ 26 दिसंबर से शुरू होने वाली 2 मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलनी है।

रविवार को डे-नाइट टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया से हारने के बाद भारत 57.29 के पीसीटी के साथ डब्ल्यूटीसी तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गया था। रोहित शर्मा की टीम के पास अगले साल फाइनल के लिए दावा पेश करने के लिए मौजूदा चक्र में केवल तीन और टेस्ट हैं। अन्य प्रमुख दावेदार दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के पास क्रमशः पाकिस्तान (एच) और श्रीलंका (ए) के खिलाफ एक और श्रृंखला में है।

दक्षिण अफ्रीका बनाम श्रीलंका मैच

जीत लिए 348 रन का पीछा कर रहे श्रीलंका को मैच के पांचवें दिन जीत के लिए और 143 रन की जरूरत थी जबकि उसके पांच विकेट बचे थे। कप्तान धनंजय डिसिल्वा (50) और कुसल मेंडिस (46) की छठे विकेट की 97 रन की साझेदारी टूटने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने पुछल्ले बल्लेबाजों को बिना समय गवांए चलता कर दिया। श्रीलंका की दूसरी पारी 238 रन पर सिमट गई। वामहस्त स्पिनर केशव महाराज ने 76 रन पर पांच विकेट झटके। टेस्ट करियर में उन्होंने 11वीं बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया है।

दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 358 बनाने के बाद श्रीलंका को 328 रन पर आउट किया था। उसने दूसरी पारी में 317 रन बनाये। श्रीलंका को आखिरी दिन कल के नाबाद बल्लेबाज डिसिल्वा और मेंडिस से चमत्कार की उम्मीद थी। दोनों ने दिन की शुरुआत में एक समान 39 रन पर थे। दिन के सातवें ओवर में महाराज ने मेंडिस को एडेन मारक्रम के हाथों कैच कराया। डिसिल्वा अर्धशतक पूरा करने के बाद कैगिसो रबाडा की गेंद को विकेटकीपर काइल वेरिन के हाथों में खेल गए जिससे श्रीलंका की हार तय हो गयी। श्रीलंका ने छह रन के अंदर आखिरी तीन विकेट गंवा दिए।

भारत अभी भी डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए कैसे क्वालीफाई कर सकता है?

अगर भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बचे हुए सभी टेस्ट जीतता है, तो उसका पीसीटी 64.04 हो जाएगा। ऑस्ट्रेलिया श्रीलंका के खिलाफ 2-0 की सीरीज जीतने पर भी उस अंक

से पीछे रह जाएगा।

श्रीलंका पर दक्षिण अफ्रीका की जीत के बाद भारत दो जीत और एक ड्रॉ के साथ ऑस्ट्रेलिया से ऊपर भी रह सकता है।

यदि भारत इस श्रृंखला में एक और टेस्ट हार जाता है, तो उसका पीसीटी ऑस्ट्रेलिया से नीचे चला जाएगा और उसकी योग्यता श्रीलंका बनाम ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला के परिणामों पर निर्भर करेगी।

भारत के कुश मैनी ने फॉर्मूला2 कंस्ट्रक्टर्स चैंपियनशिप जीतकर रचा इतिहास

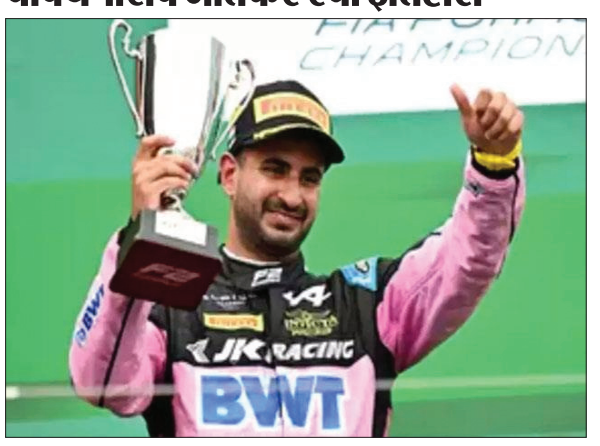

अबुधाबी (एजेंसी)। भारतीय ड्राइवर कुश मैनी ने यहां एफ2 कंस्ट्रक्टर्स रेस जीतकर भारतीय खेलों में नया इतिहास रचा। वह एफआईए कंस्ट्रक्टर्स विश्व चैंपियनशिप जीतने वाले देश के पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

मैनी के लिए फार्मूला2 में यह सत्र शानदार रहा। इससे पहले वह इस रेस में पोल पोजीशन हासिल करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे। मैनी ने इनविक्टा रेसिंग की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह टीम इस सत्र में पांच बार पोडियम पर पहुंची, जिसमें हंगरी में पहला स्थान हासिल करना भी शामिल है।

इस भारतीय ड्राइवर ने जेद्दा में पोल पोजीशन हासिल की थी। इस तरह से उन्होंने अपनी टीम के अभियान की शानदार नींव रखी, जिसका मैनी की पूर्व टीम कैम्पोस रेसिंग पर 34.5 अंकों के अंतर से जीत के साथ समापन हुआ।

दक्षिण अफ्रीका विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची

मुम्बई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका की टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम दूसरे नंबर पर खिसक गयी है। दक्षिण अफ्रीका की टीम को श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मिली 109 रनों की जीत का

लाभ मिला है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम रविवार को भारत को दूसरे टेस्ट में 10 विकेट से हराकर नंबर एक पर पहुंची थी पर वह इस स्थान पर 24 घंटे भी नहीं टिक पायी। अब दक्षिण अफ्रीका 63.33 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष पर है। उसने श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट की घरेलू सीरीज 2-0 से जीतकर दूसरे से पहला स्थान हासिल किया। ऑस्ट्रेलिया फिलहाल 60.71 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं भारतीय टीम 57.29 प्रतिशत अंक के साथ ही तीसरे नंबर पर है।

इससे भारतीय टीम की डब्ल्यूटीसी फाइनल की राह अब और भी कठिन हो गई है। खिताबी मुकाबले में पहुंचने के लिए टॉप-2 में रहना जरूरी है। ऐसे में अगर भारतीय टीम को सीधे फाइनल में पहुंचना है तो उसे ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज के बचे तीन मैचों में जीत हासिल करनी होगी। भारतीय टीम अगर ऑस्ट्रेलिया से एक भी मैच में हारी तो समीकरण उसे अन्य टीमों के परिणामों पर भी निर्भर सहना पड़ेगा। भारतीय टीम डब्ल्यूटीसी 2023-25 चक्र की अपनी आखिरी सीरीज खेल रही है जबकि ऑस्ट्रेलिया को भारत के बाद श्रीलंका में दो टेस्ट खेलने हैं। दक्षिण अफ्रीका को पाकिस्तान के विरुद्ध दो टेस्ट खेलने हैं ऐसे में उसके पास जीतकर अपना स्थान पक्का करने का अवसर है।

एडिलेड टेस्ट में हुए विवाद को लेकर सिराज और हेड पर जुर्माना लगा सकता है आईसीसी

दुबई (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रैविस हेड पर एडीलेट टेस्ट में बहसबाजी के लिए जुर्माना लगा सकती है। एक रिपोर्ट के अनसुार इन दोनो पर ही आचारसंसहिता उल्लंघन का आरोप है पर इस मामले में इंनके निलंबन की संभावना नहीं है। दोनों खिलाड़ियों को आईसीसी द्वारा दोषी पाया गया और ऐसे में इस मामले में अब इन्हें क्या सजा मिलती है ये देखना होगा।

वहीं इस घटना को लेकर हेड ने कहा, शायद यह थोड़ा आगे बढ़ गया, इसलिए मैं अपनी प्रतिक्रिया से निराश हूं, लेकिन मैं अपने लिए भी खड़ा होने जा रहा हूं। हमारी टीम में ऐसा सोचना पसंद है, हम ऐसा नहीं करेंगे। वह तरीका नहीं है जिस तरह से मैं खेल खेलना चाहता हूं और मुझे लगता है कि मेरे साथी भी ऐसे ही हैं। अगर मैं ऐसा देखता हूं, तो शायद मैं इसकी निंदा करता हूं, जो मैंने किया। वहीं सिराज ने कहा, जब आप एक अच्छी गेंद पर छक्का खाते हैं, तो यह आपको अलग तरह से परेशान करता है। जब मैंने उसे बोल्ड किया, तो मैंने केवल जश्न मनाया और उसने मुझे

अपशब्द कहे , आपने इसे टीवी पर भी देखा। मैंने सिर्फ शुरुआत में जश्न मनाया पर उससे कुछ नहीं कहा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उसने जो कहा वह सही नहीं था। हम सभी का सम्मान करते हैं, ऐसा नहीं है कि हम दूसरे खिलाड़ियों का अनादर करते हैं। मैं सभी का सम्मान करता हूं क्योंकि क्रिकेट सज्जनों का खेल है, लेकिन उसने जो किया वह सही नहीं था।

भारत 14 मार्च से एशियाई कप क्वालीफायर की तैयारी शुरू करेगा, कोच मार्केज ने लंबे शिविर की मांग की

नयी दिल्ली । भारतीय फुटबॉल टीम एएफसी एशियाई कप 2027 क्वालीफायर के लिए अपनी तैयारी 14 मार्च से राष्ट्रीय शिविर के साथ शुरू करेगी जो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के आखिरी लीग मैच के दो दिन बाद होगा। ड्रॉ की पूर्व संध्या पर भारत के कोच मनोलो मार्केज ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे को 'लंबे शिविर' का प्रस्ताव दिया। इगोर स्टिमक से पदभार संभालने के बाद मार्केज ने चार मैचों में अभी तक सफलता का स्वाद नहीं चखा है। एआईएफएफ ने एक बयान में कहा, ''अपने विपणन भागीदारों से परामर्श करने के बाद एआईएफएफ को लगा कि राष्ट्रीय शिविर इंडियन सुपर लीग 2024-25 के आखिरी लीग मैच के दो दिन बाद 14 मार्च को शुरू हो सकता है।'' 56 वर्षीय मार्केज ने कहा, ''दो दिनों तक मेरी एआईएफएफ अध्यक्ष, सीनियर अधिकारियों और एआईएफएफ के तकनीकी सदस्यों के साथ बैठकें हुईं। मुझे यकीन है कि हमने जिस तरह की तैयारियां की हैं उससे राष्ट्रीय टीम एशियाई कप क्वालीफायर में अच्छा प्रदर्शन करेगी।'' अंतिम दौर के लिए ड्रॉ सोमवार को भारतीय समयानुसार दोपहर 12.30 बजे होगा।

हरभजन ने बुमराह को मैक्ग्रा, वाल्श और एम्ब्रोस जैसा गेंदबाज बताया

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की सराहना करते हुए उन्हें ग्लेन मैक्ग्रा , कोर्टनी वाल्श और कर्टली एम्ब्रोस जैसा गेंदबाज बताया है। हरभजन ने कहा कि कहा, बुमराह रन नहीं देते और विकेट पर गेंदबाजी करते हैं जिससे उनकी गेंबाजी खेलना काफी मुश्किल होता है। वह विरोधियों को रन बनाने के अवसर नहीं देते जिसेस बल्लेबाज उनके खिलाफ गलतियां कर देते हैं। उन्होंने कहा कि , मैकग्राथ, वॉल्श और कर्टली एम्ब्रोस भी कुछ ऐसे ही गेंदबाज थे। उन्होंने बहुत अधि विकेट लिए और बुमराह भी यही कर रहे हैं। विकेट लेने की उनकी क्षमता के कारण उनका स्ट्राइक रेट भी कम है. बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए दोनो ही मैच में अच्छी गेंदबाजी की। पहले टेस्ट में बुमराह ने कुल 8 विकेट लिए थे। उसी कारण भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में जीत दर्ज करने में सफल रही। वहीं दूसरे टेसट में भी बुमराह ने पहली पारी में भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक 4 विकेट लिए थे। बुमराह इस साल टेस्ट में सबसे ज्यादा 52 विकेट विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। वह इस प्रकार एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारत के दूसरे तेज गेंदबाज हैं। इससे पहले ये उपलब्धि जहीर खान के नाम थी।

कप्तान को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं, रोहित के समर्थन में आए कपिल देव

नई दिल्ली (एजेंसी)। महान क्रिकेटर कपिल देव ने सोमवार को कहा कि रोहित शर्मा की वापसी करने की क्षमता पर संदेह नहीं करना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आलोचनाओं से घिरे भारतीय कप्तान को अपने करियर के इस चरण में खुद को साबित करने की जरूरत नहीं है। एडीलेड में गुलाबी गेंद के टेस्ट में रोहित ने मध्य क्रम में बल्लेबाजी करते हुए तीन और छह रन बनाए थे। प्रशंसकों और पूर्व खिलाड़ियों ने नरम रुख के लिए उनकी आलोचना की थी। भारत ने ढाई दिन में मैच 10 विकेट से गंवा दिया।

कपिल ने यहां दिल्ली गोल्फ क्लब में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि उसे खुद को साबित करने की जरूरत नहीं है। वह कई वर्षों से ऐसा करता आ रहा है इसलिए हमें किसी पर संदेह नहीं करना चाहिए। मैं उस पर संदेह नहीं करूंगा। मुझे उम्मीद है कि वह फॉर्म में वापस आ जाएगा, यह

महत्वपूर्ण है। रोहित अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण शुरुआती टेस्ट में नहीं खेले थे। सलामी बल्लेबाज के तौर पर अपने अधिकांश रन बनाने के बावजूद 37 वर्षीय रोहित दूसरे टेस्ट में छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे जिससे लोकेश राहुल को पारी का आगाज करने का मौका मिला जिन्होंने पर्थ में टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

कपिल ने कहा कि एक या दो प्रदर्शन के आधार पर, अगर आपको किसी की कप्तानी पर संदेह है। मेरा मतलब है कि सिर्फ 6 महीने पहले जब उसने टी20 विश्व कप जीता था तो आपने यह सवाल नहीं पूछा होता। इसे जाने दीजिए, उसकी क्षमता और प्रतिभा को जानते हुए, वह वापसी करेगा। वह मजबूती से वापसी करेगा। यह पूछे जाने पर कि क्या दूसरे टेस्ट में युवा हर्षित राणा को शामिल करना एक गलती थी, कपिल ने कहा कि मैं कोई नहीं हूं। मैं कैसे फैसला कर सकता हूं? वहां ऐसे लोग हैं जिनके पास यह तय करने की जिम्मेदारी है कि टीम में किसे होना चाहिए।

रोहित की अनुपस्थिति में उपकप्तान जसप्रीत बुमराह की अगुआई में पर्थ में भारत को 295 रन से जीत दर्ज की। यह पूछे जाने पर कि क्या बुमराह रोहित से कमान संभालने के लिए अच्छी तरह से तैयार हो रहे हैं, कपिल ने कहा, ''मुझे लगता है कि इस बारे में बात करना जल्दबाजी होगी। एक प्रदर्शन के आधार पर आप यह नहीं कह सकते कि वह सर्वश्रेष्ठ है और एक खराब प्रदर्शन के आधार पर आप यह नहीं कह सकते कि वह इसके लायक नहीं हैं।

पीसीबी अब कड़ा रुख अपनाय : अफरीदी

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने कहा है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को अब कड़ा रुख अपनाना चाहिये। अफरीदी ने कहा कि भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) अगर अपनी टीम चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए नहीं भेजती तो हमें भी किसी आईसीसी टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम नहीं भेजनी चाहिये। एक कार्यक्रम में अफरीदी ने कहा कि पीसीबी को क्रिकेट संबंधों पर कड़ा रुख अपनाना होगा। इसके साथ ही उसे मजबूत निर्णय लेने के लिए आत्मनिर्भर भी बनना पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'पीसीबी को मजबूत और आत्मनिर्भर होने के साथ ही सैद्धांतिक फैसले भी लेने चाहिए। भारतीय टीम अगर पाकिस्तान में आकर नहीं खेल सकती है तो हमें भी भारत जाकर नहीं खेलना चाहिये। गौरतलब है कि चैंपियंस ट्रॉफी अगले साल फरवरी-मार्च के बीच पाकिस्तान में होने वाली है। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के अपने मैच पाक में खेलने से इनकार कर दिया है और उसकी जगह पर टूर्नामेंट को 'हाइब्रिड मॉडल में कराने को कहा है जिससे पीसीबी सहमत नहीं है और उसने शर्त रखी है कि उसके भारत में होने वाले आईसीसी मुकाबले भी तटस्थ स्थल पर रखे जाने चाहिये। अफरीदी ने कहा कि आईसीसी को भी अब यह तय करना है कि क्या वह केवल पैसा कमाना चाहता है या प्रत्येक सदस्य देश को क्रिकेट खेलने का पूरा अवसर देना चाहता है। अगर वह ऐसा नहीं करता तो ये विश्व क्रिकेट के लिए नुकसानदेह रहेगा।

गेंदबाजी के बाद अब बल्लेबाजी में भी छाए शमी, मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेली 32 रन की शानदार पारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के वरिष्ठ तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने सोमवार को बेंगलुरु में चंडीगढ़ के खिलाफ चल रहे सैयद मुश्ताक अली प्री क्वार्टर फाइनल में बंगाल के लिए 17 गेंदों में नाबाद 32 रनों की शानदार पारी खेली। शमी ने डेथ ओवरों में चंडीगढ़ के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए तीन चौके और दो शानदार छक्के लगाए।

16वें ओवर में जब बंगाल का स्कोर 8 विकेट पर 114 रन था, तब शमी आए और उन्होंने तलवार की तरह अपना बल्ला घुमाया और विपक्षी गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाईं। उनकी पारी 188.24 के शानदार स्ट्राइक रेट से आई और उन्होंने बंगाल को मुश्किल स्थिति से 9 विकेट पर 159 रन तक पहुंचाया। शमी बंगाल के लिए खेल में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे, जबकि करण लाल ने 25 गेंदों में 33 रन की पारी खेली। प्रदीप्त प्रमाणिक ने 24 गेंदों पर 30 रन बनाए, जबकि रितिक चटर्जी ने 12 गेंदों पर 28 रन बनाए, जिसमें चंडीगढ़ द्वारा पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद बंगाल ने 159 रन बनाए।

शमी के ऑस्ट्रेलिया में चल मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला के अंतिम दो टेस्ट के लिए उपलब्ध होने की संभावना है। हालांकि अनुभवी खिलाड़ी को अभी भी एनसीए की मेडिकल टीम से फिटनेस क्लीयरेंस नहीं मिली है, जो 'औपचारिकता का मामला' है। सैयद मुश्ताक अली टी20 खेलते समय उनके घुटने में फिर से सूजन आ गई, जो जाहिर तौर पर टेस्ट मैच खेलने के लिए उनकी तैयारी में बाधा डाल रही है। एक साल की चोट के बाद वापसी करने के बाद शमी ने 8 एसएमएटी टी20 मैचों के अलावा रणजी ट्रॉफी के एक मैच में 42 ओवर गेंदबाजी की।

आकाश दीप को मिल सकता है बचे हुए मैचों में अवसर

एडिलेड । युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर क्रिकेट सीरीज के बचे हुए मुकाबलों में खेलने का अवसर मिल सकता है। आकाश दीप ने टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण के बाद से ही प्रभावित किया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआती दो मैचों में उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिल पायी है। आकाश दीप ने अपने टेस्ट करियर में कुल 10 विकेट लिए हैं, जिसमें से 8 बार उन्होंने बाएं हाथ के बल्लेबाजों का शिकार किया है। ऐसे में वह ट्रेविस हेड सहित बाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए मुसीबत बन सकते हैं। पिछले कुछ समय से हेड भारतीय टीम की हार के लिए जिम्मेदार रहे हैं फिर चाहते वह गत वर्ष हुए एक दिवसीय विश्वकप को लें या पिछल साल हुआ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल। इन दोनो में ही हेड ने बड़ी पारियां खेलकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। इसके बाद भी भारतीय टीम अभी तक हेड के खिलाफ प्रभावी रणनीति नहीं बना पायी है। ऐसे में अगर अकाश दीप मैदान पर उतरते हैं तो मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर से काम का बोझ भी कम होगा।

पहली बाजी गंवाने के बाद मैंने मानसिक मजबूती दिखाकर पलटवार किया: डी गुकेश

सिंगापुर (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने विश्व शतरंज चैंपियनशिप के 11वें दौर में गत चैंपियन डिंग लिरेन को हराने के बाद रविवार को यहां कहा कि पहली बाजी गंवाने के बाद उन्होंने मानसिक मजबूती दिखाई जिससे वह पलटवार करके वापसी करने में सफल रहे। गुकेश ने यहां संवाददाताओं से कहा,''पहली बाजी में हार झेलने के बाद मुझे मानसिक मजबूती दिखाने की जरूरत थी। विश्व चैंपियनशिप की पहली बाजी गवाना अच्छा नहीं माना जा सकता है लेकिन मैंने पलटवार किया और इसके बाद अच्छी शतरंज खेली।''

गुकेश पहली बाजी हार गए थे लेकिन उन्होंने तीसरी बाजी जीत कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया था। इसके बाद लगातार सात बाजी ड्रॉ रही लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अब 6-5 की बढ़त हासिल करके खिताब की तरफ मजबूत कदम बढ़ा दिए हैं। उन्होंने कहा कि वापसी करवाने में उनकी टीम की भूमिका बहुत अहम रही और जोखिम उठाने का अपने फायदा मिला।

भारतीय खिलाड़ी ने कहा, ''इस बीच मुझे वापसी दिलाने के लिए मेरी टीम ने बहुत अच्छा काम किया। मैं यही सोच रहा था कि यह मुकाबला बेहद दिलचस्प है और मुझे जोखिम उठाने का भी फायदा मिला क्योंकि इससे मैंने उसे निश्चित तौर पर हैरानी में डाल दिया।'' गुकेश ने यह मानने से इनकार कर दिया कि चीन का खिलाड़ी 11वीं बाजी में भी ड्रॉ के लिए खेल रहा था। उन्होंने कहा, ''मैं नहीं मानता कि मेरा प्रतिद्वंदी अंक बांटने के लिए खेल रहा था। इस मुकाबले में वह भी कुछ अवसरों पर बेहतर स्थिति में था। यह 14 दौर का मुकाबला है और आप शुरू में ही इसे टाइब्रेक तक ले जाने की योजना नहीं बना सकते हैं क्योंकि शतरंज में गलतियां हमेशा होती हैं। यह मुकाबला अभी तक उतार चढ़ाव वाला रहा है।

शमी पूरी तरह फिट होने के बाद ही वापसी करें : रोहित

एडिलेड । ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम की हार के बाद तेज गेंदबाज मो शमी को बचे हुए तीन टेस्ट मैचों के लिए टीम में शामिल किये जाने की मांग उठ रही है। इसी को लेकर भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि शमी जब भी चाहें टीम में शामिल हो सकते हैं पर मेरा मानना है कि उन्हें पूरी तरह से फिट होने के बाद ही टीम में शामिल होना चाहिये। टीम उनको शामिल करने को लेकर किसी तरह की जल्दबाजी नहीं चाहती है। उन्होंने कहा, 'शमी की प्रगति पर लगातार हमारी नजरें हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलते हुए, उनके घुटने में फिर से सूजन आ गई थी। उस कारण से टेस्ट मैच खेलने के लिए वह जो तैयारी कर रहे हैं, उसको थोड़ा झटका लगा है। हम उनको लेकर सावधानी बरत रहे हैं जिससे कि वापसी के बाद उन्हें फिर कोई समयस्या नहीं हो।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कीवी में

छिपा है पोषक तत्वों का भंडार

पोषक तत्वों से भरपूर फल स्वास्थ्य के लिए बेहद ज़रूरी होते हैं। हर फल की अपनी खासियत और फायदे होते हैं। स्वाद में खट्टा-मीठा लगने वाला कीवी भी अपने बेजोड़ फायदों के लिए जाना जाता है। इसका खट्टा मीठा स्वाद लोगों को बेहद पसंद आता है। कीवी में पोटेशियम, फाइबर, विटामिन सी, फोलिक एसिड, विटामिन ई और पॉलीफेनॉल्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। कीवी में कैलोरी कम मात्रा में होती है इसलिए वजन कम करने वालों के लिए यह फल अमृत समान है। चलिए बताते हैं इस फल का सेवन करने से कौन सी परेशानियां दूर होंगी और इसका सेवन किस समय करना चाहिए?

आंखों की रोशनी बढाए

विटामिन ए से भरपूर कीवी आंखों की रौशनी को तेजी से बढ़ाता है। ल्यूटिन और ज़ेक्सैंथिन से भरपूर यह फल एंटीऑक्सिडेंट का बेहतरीन सोर्स है। यह फल आंखों के स्वास्थ्य का समर्थन करते हैं।

इम्यूनिटी बनाए मजबूत

जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती उन लोगों को अपनी इम्यूनिटी को बढ़ाने के लिए आप कीवी का सेवन करना चाहिए। इसमें मौजूद विटामिन-सी कमजोर इम्यूनिटी को बढ़ाने में मदद करते हैं।

बुखार में फायदेमंद

एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन सी और फाइबर जैसे कई पोषक तत्वों से भरपूर कीवी डेंगू जैसे बुखार में लाभकारी होता है। में प्लेटलेट्स तेजी से कम होने लगता है जिसमें कीवी इन प्लेटलेट्स को बढ़ाने में मदद करती है।

स्किन के लिए फायदेमंद

कीवी में मौजूद विटामिन सी और ई जैसे एंटीऑक्सीडेंट त्वचा को ऑक्सीडेटिव डैमेज से बचाते हैं। साथ ही कोलेजन को बढ़ावा देते हैं, और युवा त्वचा को बनाए रखने में मदद करते हैं।

हृदय के लिए लाभकारी

कीवी में मौजूद पोटेशियम ब्लड प्रेशर को नियंत्रित कर हृदय संबंधी कार्य को बनाए रखने में मदद करता है, जिससे हृदय रोग का खतरा कम हो जाता है।

कब्ज करे दूर

अगर आप कब्ज के मरीज हैं तो रोज़ाना 2 से 3 कीवी का सेवन करें। कब्ज की समस्या को दूर करने में कीवी लाभकारी है।

कब करें कीवी का सेवन?

कीवी का सेवन दोपहर या शाम की बजाय सुबह 10 से 12 के बीच करें। कीवी में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व पाए जाते हैं जो सेहत की बेहतरीन देखभाल करते हैं। आप इसे खाली पेट भी खा सकते हैं। हालांकि, खाली पेट खट्टा फल खाने से आपको एसिडिटी की समस्या हो सकती है तो इसे खाली पेट खाने की बजाय कुछ नाश्ता कर खाएं।

काजल के इन नए शेड्स

से बेस्ट आई मेकअप लुक पाएं, ब्लैक के अलावा ट्राई करें ये रंग

काजल एक ऐसा मेकअप प्रोडक्ट है जो हर महिला के मेकअप बैग का जरूरी हिस्सा बन चुका है। यह आंखों को आकर्षक और बड़ी दिखाने के लिए बेहद फायदेमंद है, लेकिन क्या आप सिर्फ ब्लैक काजल तक ही सीमित हैं? अगर हां, तो अब समय है अपने आई मेकअप रूटीन में कुछ नया जोड़ने का। इस लेख में हम आपको काजल के कुछ ऐसे डिज़ाइंस और शेड्स के बारे में बताएंगे, जिन्हें आप अपनी वैनिटी में जरूर शामिल करना चाहेंगी।

डबल कलर काजल

डबल कलर काजल लुक आजकल बेहद पॉपुलर है। यह काजल का डिज़ाइन ना सिर्फ आंखों को आकर्षक बनाता है, बल्कि बहुत ही कूल और स्टाइलिश भी लगता है। इस लुक को आप दोनों आंखों में अलग-अलग रंगों के काजल का इस्तेमाल करके प्राप्त कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, आप एक आंख में ग्रीन काजल और दूसरी आंख में पिंक काजल लगा सकती हैं। इस डिज़ाइन को आप वेस्टर्न ड्रेस के साथ बेहद आराम से कैरी कर सकती हैं और किसी पार्टी या फंक्शन में यह आपको खास आकर्षण का केंद्र बना सकता है। इसके अलावा, आप इसके साथ मैचिंग आई शैडो भी यूज कर सकती हैं, ताकि लुक और भी खूबसूरत बने।

ब्रॉड ब्लैक काजल

ब्रॉड ब्लैक काजल एक क्लासिक लुक है, जिसे आप किसी भी अवसर पर पहन सकती हैं। यह लुक आंखों को गहरा और एक्सप्रेसिव बनाता है। आमतौर पर ब्लैक काजल को पतला लगाया जाता है, लेकिन जब इसे ब्रॉड तरीके से लगाया जाता है, तो यह ज्यादा ड्रामेटिक और ग्लैमरस दिखता है। यह खासतौर पर पारंपरिक ड्रेस जैसे साड़ी, सलवार-कुर्ता या किसी भी प्रकार के इंडियन आउटफिट के साथ बहुत अच्छा लगता है। इस लुक को बेहतर बनाने के लिए आप सिल्वर ज्वेलरी और न्यूड बेज लिपस्टिक का इस्तेमाल कर सकती हैं, जो आपके लुक को बैलेंस और एलीगेंट बनाए रखेगी।

कैट आई काजल

कैट आई काजल लुक एक ट्रेंडी और ग्लैमरस डिज़ाइन है, जिसे कई सेलेब्स और स्टाइलिश महिलाएं अपने लुक को एलेवेट करने के लिए अपनाती हैं। इस लुक में काजल को आंखों के बाहरी कोने तक फैलाया जाता है, जिससे आंखों का आकार और ज्यादा बड़ा और सेक्सी नजर आता है। इस लुक के लिए आप ग्रीन, ब्लू या रेड काजल का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। कैट आई काजल के साथ न्यूड लिप्स और हल्के आई शैडो का इस्तेमाल करें ताकि काजल और लुक दोनों को पूरी तरह से हाईलाइट किया जा सके। यह लुक खासकर वेस्टर्न कपड़ों के साथ बहुत अच्छा लगता है, लेकिन इसे पारंपरिक ड्रेस के साथ भी अपनाया जा सकता है।

स्मोकी काजल

स्मोकी काजल लुक एक और खूबसूरत और सेक्सी आई मेकअप स्टाइल है। इसमें काजल को आंखों के बाहरी कोने से अंदर की ओर अच्छे से स्मज किया जाता है, जिससे एक स्मोकी और ड्रामेटिक लुक मिलता है। यह लुक नाइट पार्टीज, डेट नाइट्स या किसी खास अवसर के लिए परफेक्ट होता है। इस लुक को आप ब्लैक, ब्राउन या पर्पल काजल के साथ बना सकती हैं। इसके बाद हल्के आई शैडो से स्मज करें और वॉटरप्रूफ मस्कारा लगाएं, जिससे आपका लुक पूरे दिन सही रहे।

कलर्ड काजल

आजकल मार्केट में बहुत सारे कलर्ड काजल उपलब्ध हैं, जैसे पिंक, गोल्ड, पर्पल, ब्लू और ग्रीन। कलर्ड काजल न सिर्फ आंखों को फ्रेश और यंग लुक देता है, बल्कि यह आपके लुक को भी एक अलग ही डिमेंशन देता है। आप इस काजल को न केवल अपनी आंखों के पानी की लाइन में, बल्कि आंखों के नीचे भी लगा सकती हैं, जिससे आपको एक अलग और यूनिक लुक मिलता है। कलर्ड काजल को आप वेस्टर्न और इंडियन दोनों ही ड्रेस के साथ कैरी कर सकती हैं, और यह किसी भी पार्टी में आपकी आंखों को आकर्षक बना सकता है।

स्मूद और नैचुरल काजल

यदि आप एक नैचुरल लुक चाहती हैं, तो स्मूद और हल्का काजल बेहतर विकल्प हो सकता है। इसे हल्के हाथों से अपनी वाटरलाइन पर लगाकर अपनी आंखों को थोड़ी सी डिफिनिशन दे सकती हैं। यह लुक खासतौर पर उन महिलाओं के लिए है जो एक डेली वियर लुक चाहती हैं, जिसमें बहुत ज्यादा मेकअप न हो। यह काजल हर दिन के लुक के लिए परफेक्ट होता है और इसे किसी भी सादा ड्रेस के साथ कैरी किया जा सकता है।

इन सभी काजल डिज़ाइनों के साथ आप अपने आई मेकअप को नया और ट्रेंडी बना सकती हैं। हर लुक को अपनी पसंद और अवसर के हिसाब से चुनें और अपनी आंखों को और भी खूबसूरत बनाएं।

कमाल का रिजल्ट देता है

मूंगफली का फेस पैक , मिनटों में त्वचा बनेगी मुलायम और चमकदार

सर्दी के दस्तक देते हैं घरों में मूंगफली आनी शुरू हो जाती है। यह सिर्फ सेहत के लिए ही नहीं बल्कि आपके चेहरो के लिए भी काफी फायदेमंद है। भिगोई हुई मूंगफली का फेस पैक बनाकर आप अपनी त्वचा को पोषण दे सकते हैं। मूंगफली में मौजूद विटामिन ई, ओमेगा-3 फैटी एसिड, और एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को पोषण देकर नमी बनाए रखते हैं और इसे दमकाने में मदद करते हैं। इसे घर पर बनाकर उपयोग करें और महंगे केमिकल प्रोडक्ट्स से बचें। आइए जानते हैं भिगोई हुई मूंगफली से फेस पैक बनाने और उपयोग करने का तरीका।

भिगोई हुई मूंगफली से फेस पैक बनाने की विधि

- मूंगफली को 5-6 घंटे या रातभर पानी में भिगो दें।
- भीगी हुई मूंगफली को मिक्सर में डालकर बारीक पेस्ट बना लें।
- इसमें शहद और दूध (या दही) मिलाएं। यदि चाहें तो कुछ बूंदें गुलाबजल भी मिला सकते हैं।
- इस पेस्ट को अच्छी तरह से मिलाकर स्मूद फेस पैक तैयार करें।
- तैयार फेस पैक को पूरे चेहरे और गर्दन पर समान रूप से लगाएं।
- 15-20 मिनट तक इसे सूखने दें, हल्के गुनगुने पानी से चेहरे को मसाज करते हुए पैक हटाएं।
- अंत में चेहरे को ताजे पानी से धो लें और मॉइश्चराइज़र लगाएं।

मूंगफली फेस पैक के फायदे

- मूंगफली में मौजूद प्राकृतिक तेल त्वचा को गहराई से मॉइश्चराइज़ करता है।
- मूंगफली के छोटे कण स्क्रब की तरह काम करते हैं, जो डेड स्किन सेल्स को हटाकर त्वचा को साफ और चमकदार बनाते हैं।
- इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा की उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करने में मदद करते हैं।
- मूंगफली में मौजूद फैटी एसिड त्वचा को पोषण देकर एक्ने और दाग-धब्बे कम करने में सहायक होते हैं।
- दूध या दही त्वचा को मुलायम और लचीला बनाता है।

सावधानियां

1. मूंगफली से एलर्जी होने पर इस फेस पैक का उपयोग न करें।
2. हमेशा फेस पैक को ताजा बनाएं और तुरंत इस्तेमाल करें।
3. सप्ताह में 1-2 बार इसका उपयोग करें।
4. इस्तेमाल से पहले चेहरे पर पैच टेस्ट जरूर करें।

घर पर बनाएं आंवले खट्टी-मिठी डाइजेस्टिव गोली

आंवला एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी से भरपूर होता है। आंवला इम्यूनिटी बूस्ट करने में कारगर साबित हो सकता है। आंवले के सेवन से हेल्थ ठीक रहती है। आंवले का जूस पीने से शरीर हेल्दी है। आंवले को डाइट में शामिल करने से पाचन संबंधी समस्याओं में लाभदायक होता है। आप भी अपने घर पर बेहद आसान तरीके से डाइजेस्टिव खट्टी-मीठी गोलियां बनाएं। इसे बच्चे से लेकर बड़े भी खूब खाना पसंद करेंगे।

आंवले की खट्टी-मीठी गोली बनाने के लिए सामग्री

- 500 ग्राम आंवला
- एक कप गुड़
- सेंधा नमक स्वादानुसार
- काला नमक एक चम्मच
- काली मिर्च पाउडर एक चम्मच
- भुना जीरा एक चम्मच
- आधा कप पिसी चीनी
- एक चौथाई चम्मच हींग
- नींबू का रस

आंवले की खट्टी-मीठी गोली बनाने की विधि

- इसके लिए आप आंवले को अच्छे से धो लें। इसके बाद कूकर में उबाल लें।
- उबले आंवले को कूकर से निकालें और ठंडा होने के लिए रख दें। जब ये ठंडे हो जाएं तो आवले की गुठली को निकाल दें।
- अब आप आंवलों को मिक्सी में डालकर पीस लें और पेस्ट तैयार कर लें। ध्यान रहे कि आंवला बारीक पीसा हुआ। पीसने में पानी का थोड़ा इस्तेमाल करें।
- इसके बाद पैन गर्म करें और एक कप गुड़ डालें। इसके साथ ही पिसा हुआ आंवले का पेस्ट भी जरुर डालें।
- धीरे-धीरे मिक्स करते हुए आप इसे भूनें। गैस को धीमा ही रखें फिर अब इसमें सारे मसाले डाल दें। भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, हींग, काला नमक, सेंधा नमक सब डाल दें, फिर इसे अच्छे से भूनें।
- आप इसे जब तक चलाएं कि ये गाढ़ा ना हो जाए। जब गाढ़ा हो जाए तो इक्ट्ठा तो गैस को बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें।
- प्लेट पर पिसी चीनी डालें और तैयार आंवले की छोटी गोली बनाएं और पिसी चीनी को इस पर लपेटें।
- तैयार है आपकी डाइजेस्टिव खट्टी-मीठी आंवले की गोली।

सेहत के लिए वरदान औषधीय गुणों से भरपूर ये फल

शरीफे को सीताफल के नाम से भी जाना जाता है। अंग्रेजी में इस फल का नाम कस्टर्ड एप्पल है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस फल में एक से बढ़कर एक औषधीय गुणों को अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि इस फल को ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। शरीफे में विटामिन सी, पोटैशियम, विटामिन ए, कॉपर, फॉस्फोरस, फाइबर और कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। आइए इस फल से मिलने वाले कुछ कमाल के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में जानते हैं।

फैट बर्न करने में कारगर

अगर आप अपने बढ़ते हुए वेट पर काबू पाना चाहते हैं तो इस फल का सेवन करना शुरू कर दीजिए। पेट की चर्बी को कम करने के लिए इस फल को खाने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा शरीफे में पाए जाने वाले तमाम तत्व आपकी गट हेल्थ को भी सुधार सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए इस फल का सेवन किया जा सकता है।

कंट्रोल करे बीपी-शुगर

इस फल को खाकर आप अपने ब्लड प्रेशर को कंट्रोल कर सकते हैं। यही वजह है कि इस फल को हार्ट के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। इतना ही नहीं इस फल में पाए जाने वाले तत्व आपके ब्लड शुगर लेवल को काबू करने में भी कारगर साबित हो सकते हैं। यानी शरीफे को सही तरीके से और सही मात्रा में कंज्यूम कर डायबिटीज को मैनेज करने में भी मदद मिल सकती है।

इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाए

रेगुलरली इस फल का सेवन कर आप अपने इम्यून सिस्टम को काफी हद तक इम्प्रूव कर सकते हैं। इसके अलावा शरीफा आपके दिमाग को तेज और मजबूत बना सकता है। इस फल का सेवन कर आप अपनी बोन हेल्थ को भी काफी हद तक स्ट्रॉन्ग बना सकते हैं। शरीफे में पाए जाने वाले तत्व आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी स्किन के लिए भी वरदान साबित हो सकते हैं।

इन दालों के ज़्यादा सेवन से बढ़ सकती है पेट में गैस की समस्या

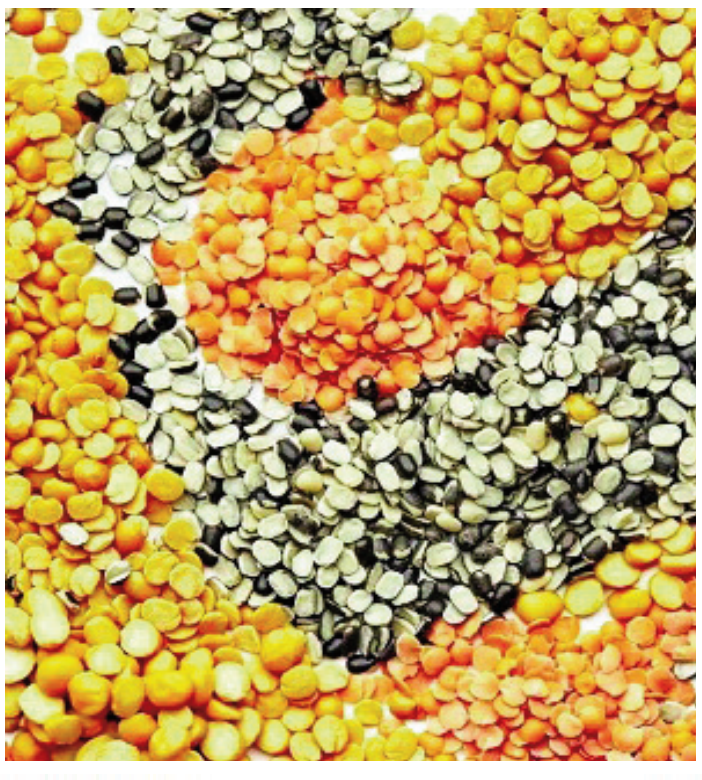

ज़्यादातर लोगों को खाने के बाद पेट फूलने या ब्लोटिंग की समस्या होने लगती है। पेट फूलने के बाद कई बार खट्टी डकार या जलन होने लगती है। ऐसी स्थिति में लोग बेहद परेशान हो जाते हैं। बता दें ब्लोटिंग या गैस के पीछे दाल का सेवन भी हो सकता है। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन कुछ दाल का सेवन करने से पेट में गैस बनने लगती है। ऐसे में जो लोग ब्लोटिंग या गैस की समस्या से पपरेशान होते हैं उन्हें इन दालों का सेवन नहीं करना चाहिए। चलिए हम आपको बताते हैं पेट को फूलने से बचाने के लिए आपको किन दाल को नहीं खाना चाहिए?

चना दाल

चने की दाल सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है। लेकिनप्रोटीन और फाइबर से भरपूर यह दाल पेट में गैस बनाती है और ब्लोटिंग की समस्या को तेजी से बढ़ाती है। ऐसे में जिन लोगों को गैस की समस्या होती है उन्हें इस दाल को कम खाने की सलाह दी जाती है।

उड़द की दाल

गैस की संसय से परेशान लोगों को काली उड़द की दाल नहीं खानी चाहिए। यह दाल आसानी से पचती नहीं है। ऐसी में इस दाल का सेवन करने से कब्ज, पेट में गैस, ब्लोटिंग की परेशानी हो सकती है।

मसूर की दाल

मसूर दाल भी पेट की कई परेशानियों का कारण बनती है। इसे खाने से ब्लोटिंग और गैस की समस्या बढ़ सकती है।

गैस की समस्या से छुटकारा पाने के लिए इन चीज़ों का भी रखें ध्यान–

खाना चबाकर खाएं–खाने के छोटे-छोटे टुकड़े बड़े टुकड़ों की तुलना में पचाने में आसान होते हैं, जिससे यह संभावना कम हो जाती है कि रात का खाना आपके पेट में ज़्यादा देर तक रहेगा।

हाइड्रेटेड रहें–आपको गैस और ब्लोटिंग का सामना न करना पड़े इसलिए अपनी बॉडी को हाइड्रेटेड रखें। ज़्यादा पानी पीने से आपके जीआई ट्रैक्ट में चीज़ें ठीक से काम करती हैं।

ज़्यादा न खाएँ– बहुत ज़्यादा खाने से पाचन तंत्र ओवरलोड हो जाता है इसलिए खानपान में होने वाले बदलावों के प्रति सचेत रहें। आपका शरीर एक हद तक आपके खाने के हिसाब से खुद को ढाल लेता है। लेकिन अगर आप अचानक अलग-अलग तरह के खाद्य पदार्थ खाने लगते हैं, तो पाचन तंत्र इस बदलाव को संभालने में संघर्ष करता है।

दाल में घी मिलाकर खाना चाहिए या फिर नहीं

घी में पाए जाने वाले तमाम पौष्टिक तत्व आपकी ओवरऑल हेल्थ को काफी हद तक बूस्ट कर सकते हैं। अब सवाल ये उठता है कि घी को डाइट में शामिल करने का सही तरीका क्या है? कुछ लोग रोटी में घी लगाकर खाते हैं, तो कुछ लोग दाल में घी मिक्स कर खाना पसंद करते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आयुर्वेद के मुताबिक दाल में घी मिलाकर सेवन करना आपकी सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। दाल में महज एक चम्मच घी मिलाकर खाएं और खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर देखें।

अगर आप दाल में घी डालकर खाएंगे तो आपकी गट हेल्थ को काफी हद तक सुधारा जा सकता है। कब्ज और अपच जैसी पेट से जुड़ी बीमारियों को दूर करने के लिए इस तरह से घी का सेवन किया जा सकता है। सही मात्रा में घी कंज्यूम करने से आप अपनी वेट लॉस जर्नी को भी आसान बना सकते हैं। दाल में घी मिक्स कर खाने से आपकी हड्डियों को मजबूती मिलेगी जिससे आप जोड़ों के दर्द की समस्या का शिकार बनने से बच सकते हैं।

मजबूत बनाए इम्यून सिस्टम

अगर आपकी इम्यूनिटी कमजोर है तो आपको दाल में घी मिक्स करके जरूर खाना चाहिए। इस तरीके से घी को अपने डाइट प्लान में शामिल करके आप अपने इम्यून सिस्टम को काफी हद तक मजबूत बना सकते हैं। दिल की सेहत के लिए भी घी में पाए जाने वाले तत्व फायदेमंद साबित हो सकते हैं। शरीर की थकान और कमजोरी दूर करने के लिए भी घी को दाल में मिलाकर कंज्यूम किया जा सकता है।

गौर करने वाली बात

घी आपकी ब्रेन हेल्थ को भी इम्प्रूव कर सकता है। हालांकि, बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए घी को लिमिटेड मात्रा में ही कंज्यूम करना चाहिए। इसके अलावा आपको घी की शुद्धता की जांच भी कर लेनी चाहिए। मिलावटी घी कंज्यूम करने से आपकी सेहत पर पॉजिटिव की जगह नेगेटिव असर भी पड़ सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मणिपुर के नौ जिलों से हटा इंटरनेट बैन, नवंबर में भड़की हिंसा के बाद लगाई गई थी पाबंदी

इम्फाल। मणिपुर सरकार ने चुराचांदपुर और थौबल सहित नौ जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं के अस्थायी निलंबन को वापस ले लिया। राज्य के गृह विभाग द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार, मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के बाद यह निर्णय लिया गया। आयुक्त (गृह) एन अशोक कुमार द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य सरकार ने राज्य में मौजूदा कानून और व्यवस्था की स्थिति और इंटरनेट सेवाओं के सामान्य संचालन के साथ इसके संभावित सह-संबंध की समीक्षा करने के बाद सभी प्रकार के अस्थायी निलंबन को हटाने का फैसला किया है। जिरी और बराक नदियों में तीन महिलाओं और तीन बच्चों के शव मिलने से भड़की हिंसक अशांति के बाद 16 नवंबर को मणिपुर के नौ जिलों में इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गईं। तब से मोबाइल इंटरनेट सेवाओं का निलंबन कई बार बढ़ाया जा चुका है। 19 नवंबर को सरकार ने स्वास्थ्य सुविधाओं, शैक्षणिक संस्थानों और विभिन्न कार्यालयों के सामने आने वाली चुनौतियों को पहचानते हुए ब्रॉडबैंड सेवाओं पर निलंबन हटाने का फैसला किया। हालाँकि, वाई-फाई साझा करने या हॉटस्पॉट का उपयोग करने की अनुमति नहीं थी। 9 दिसंबर के एक आदेश में सभी मोबाइल इंटरनेट उपयोगकर्ताओं से उन गतिविधियों से दूर रहने का अनुरोध दोहराया गया जो राज्य में सामान्य कानून और व्यवस्था की स्थिति को खतरे में डाल सकती हैं, जिससे इंटरनेट सेवाओं को और अधिक अस्थायी रूप से निलंबित किया जा सकता है।

पीजी आवास में रह रहे दो कॉलेज छात्रों ने बिल्डिंग से कूदकर दी जान

दिल्ली। रोहिणी में दो छात्रों ने पीजी आवास की चौथी मंजिल से कूदकर खुदकुशी रक ली। जानकारी के मुताबिक दिल्ली के रोहिणी में सोमवार को दो छात्रों ने अपने पेइंग गेस्ट (पीजी) आवास की चौथी मंजिल से कूदकर खुदुकुशी कर ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। पुलिस ने बताया कि ये दोनों छात्र दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) से बीबीए की पढ़ाई कर रहे थे। पुलिस को सुबह सूचना मिली कि के एन काटजू इलाके में सोमवार सुबह दो छात्रों ने एक इमारत से छलांग लगाकर खुदकुशी कर ली है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। मामले की जांच की जा रही है। अभी तक खुदकुशी के कारणों का पता नहीं चला सका है।

प्रदर्शनकारी किसानों का आरोप, पुलिस ने केमिकल वाले फूल बरसाए

हिसार । किसान आंदोलन के दौरान पुलिस ने पहले प्रदर्शनकारियों पर फूल बरसाए। लेकिन जब उन्होंने दिल्ली की ओर कूच करने कंटीले तीरों और बैरिकेड्स को हटाना शुरू किया, तब उन पर आंसू गैस के गोले और रबड़ की गोलियां भी बरसाईं। किसानों का कहना है कि पुलिस ने चाय पिलाने और फूल बरसाने का विडियो बनाया, ताकि कोर्ट में दिखा सके, लेकिन जब रबड़ की गोलियां दागीं,तब वीडियो बनाना बंद कर देती है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके ऊपर जो फूल बरसाए वे केमिकल वाले थे, जिससे कई किसानों की तबीयत खराब हो गई है। हरियाणा पुलिस ने शुरू में चाय पिलाकर, गुरबानी के भजन बजाकर और बैरिकेड्स के ऊपर से किसानों पर फूल बरसाकर सद्भावना का संकेत दिया। हालांकि, जब प्रदर्शनकारियों ने लोहे की ग्रिल को हटाने का प्रयास किया, तब पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए आंसू गैस, मिर्च स्प्रे और पानी की बौछारें कीं। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. सोनिया जंगवाल ने कहा कि उनके घाव गंभीर हैं, लेकिन जानलेवा नहीं हैं। 6 दिसंबर को किसानों के मार्च के पहले प्रयास के दौरान, कम से कम 17 घायल हो गए थे। तब से अधिकांश को छुट्टी दे दी गई है। किसान यूनियन के नेताओं ने आखिरकार संयुक्त किसान मोर्चा के समन्वयक सरवन सिंह पंधेर के हस्तक्षेप के बाद दोपहर 3.50 बजे पीछे हटने का फैसला किया।

दो फ्लाइट्स की आपात लैंडिंग, हादसा टला

नई दिल्ली । सोमवार को देश में दो फ्लाइटों की इमरजेंसी लैंडिंग हुई जिससे आसमान में बड़े हादसे होने से बच गया। इन दोनों विमानों में कुल 200 यात्री सवार थे, लेकिन पायलटों की सूझ-बूझ और त्वरित निर्णय के कारण दोनों विमानों की सुरक्षित लैंडिंग संभव हो सकी। सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया। ये दोनों फ्लाइट्स स्पाइसजेट एयरलाइंस की थीं। पहली फ्लाइट दिल्ली से शिलॉन्ग जा रही थी, तभी उड़ान के दौरान विमान को एक बड़ा तकनीकी खतरा सामने आया। विमान के विंडशील्ड (हवा की खिड़की) में अचानक एक दरार आ गई जिससे विमान के अंदर हवा का दबाव कम हो गया और यात्रियों की सुरक्षा पर खतरा बढ़ने लगा। हालांकि पायलट ने तुरंत सूझबूझ दिखाई और विमान की इमरजेंसी लैंडिंग पटना एयरपोर्ट पर कर दी। इस इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान सभी 100 से ज्यादा यात्री सुरक्षित रहे और कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। वहीं दूसरी फ्लाइट कोच्चि जा रही थी, इसमें भी तकनीकी खराबी के कारण विमान को लैंड करना पड़ा। विमान के सिस्टम में तकनीकी दोष आ गया था इसकारण विमान को चेन्नई एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट किया गया। पायलटों ने तत्परता दिखाकर विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई और सभी 100 यात्रियों की जान बचाई। इन दोनों घटनाओं में सबसे अहम बात यह थी कि पायलटों ने बहुत जल्दी और सही निर्णय लिया। विमान की समस्या का तुरंत आकलन कर दोनों पायलटों ने सुरक्षित लैंडिंग के लिए इमरजेंसी प्रक्रिया अपनाई और किसी भी यात्री को चोट नहीं आने दी।

क्या था कारण?

-पहली फ्लाइट में विंडशील्ड टूटने के कारण विमान में दबाव का असंतुलन हो गया जिससे विमान को पटना एयरपोर्ट पर उतारना पड़ा।

-दूसरी फ्लाइट में तकनीकी फॉल्ट आ गया था इसके चलते चेन्नई एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया।

एक देश-एक चुनाव पर सामने आया सरकार का प्लान, संसद में बिल पेश करने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार संभवत संसद के चालू सत्र या अगले सत्र में 'एक देश, एक चुनाव' विधेयक पेश करने की तैयारी कर रही है। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ कराने के उद्देश्य से लाए गए विधेयक को पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अगुवाई वाली समिति की सिफारिशों के आधार पर कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है, जो प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का संकेत है।

सूत्रों ने बताया कि गहन विचार-विमर्श सुनिश्चित करने और व्यापक आधार पर आम सहमति बनाने के लिए, सरकार विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजने की योजना बना रही है। जेपीसी इस परिवर्तनकारी प्रस्ताव पर सामूहिक सहमति की आवश्यकता पर बल देते हुए सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा करेगी। सरकार का इरादा चर्चा में विभिन्न हितधारकों को शामिल करने का भी है। सूत्रों ने आगे कहा कि सभी राज्य विधानसभाओं के अध्यक्षों को बुद्धिजीवियों, विशेषज्ञों और नागरिक समाज के सदस्यों के साथ अपने विचार साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

इससे पहले बताया गया था कि देश में एक साथ चुनाव कराने की अपनी योजना को अमल में लाने के लिए सरकार द्वारा तीन विधेयक लाए जाने की संभावना है, जिनमें दो संविधान संशोधन से संबंधित होंगे। प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयकों में से एक, स्थानीय निकाय चुनावों को लोकसभा और विधानसभाओं के साथ कराये जाने से संबंधित है। इसके लिए कम से कम 50 प्रतिशत राज्यों के अनुसमर्थन की आवश्यकता होगी। अपनी एक देश, एक चुनाव योजना के साथ आगे बढ़ते हुए, सरकार ने इस महीने की शुरुआत में देशव्यापी सहमति बनाने की कवायद के बाद चरणबद्ध तरीके से लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के लिए एक साथ चुनाव कराने की उच्च-स्तरीय समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया। प्रस्तावित पहला संविधान संशोधन विधेयक, लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का प्रावधान करने से संबंधित होगा। सूत्रों ने उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों का हवाला देते हुए कहा कि प्रस्तावित विधेयक में नियत तिथि से संबंधित उप-खंड (1) जोड़कर अनुच्छेद 82ए में संशोधन करने का प्रयास किया जाएगा। इसमें लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल को एक साथ समाप्त करने से संबंधित अनुच्छेद 82ए में उप-खंड (2) शामिल किया जाएगा। इसमें अनुच्छेद 83(2) में संशोधन करने और लोकसभा का कार्यकाल और इसे भंग किये जाने से संबंधित नए उप-खंड (3) और (4) सम्मिलित करने का भी प्रस्ताव है।

बांग्लादेश में झगड़ा सरकार से है तो फिर हिंदुओं को क्यों मारा गया

-विहिप नेता बोले-देश में ऐसी सरकार हो जो हिंदुओं को सुरक्षित कर सके

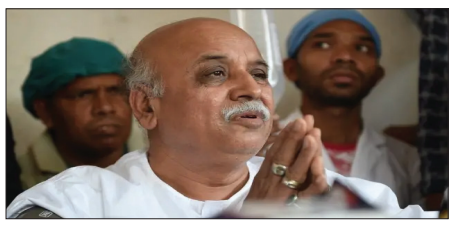

बदायूं। बिल्सी नगर पहुंचे विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि 300 साल पहले मुगल सल्तनत थी, तब जितनी भी मस्जिद बनी हैं, सभी मंदिर को तोड़कर बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि सीताराम गोयल नामक एक विद्वान ने भारत के डिस्ट्रिक्ट वाइज कितने मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाई गई हैं, बताया है। ऐसी 20 हजार की सूची भी है, यह सभी पढ़ी है। तोगड़िया ने बांग्लादेश हिंसा को लेकर कहा कि फिलिस्तीन ने इजराइल के 300 लोगों को मारा तो इजराइल ने उनके 42 हजार लोगों को मारा। सीरिया, लेबनान तक घुसकर मारा, अगर झगड़ा बांग्लादेश सरकार से था तो हिंदुओं को क्यों मारा गया। देश में ऐसी सरकार होनी चाहिए, जो हिंदुओं को सुरक्षित कर सके और उचित जवाब दे सके। मेरी बात को मोदीजी, राजनाथजी और अमित शाह जरूर समझेंगे। उन्होंने महाकुंभ में आने वाले लोगों को बेहतर सुविधाएं देने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन 45 हजार लोगों को कंबल, मोबाइल चार्जिंग पावर बैंक और भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था उनके द्वारा की जा रही है। उनका कहना है कि करीब 40 लाख लोगों को महाकुंभ में उनके द्वारा बेहतर सुविधाएं देने की व्यवस्थाएं की जानी हैं।

ममता के विधायक हुमायूं की हुंकार, मुर्शिदाबाद में बनाना चाहते हैं बाबरी मस्जिद

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल विधायक हुमायूं कबीर ने कहा कि वे बंगाल की धरती पर बाबरी मस्जिद बनवाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वे

दिसंबर 2025 तक मस्जिद ट्रस्ट बनाकर अगले कुछ सालों में मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद बनाना चाहते हैं। तृणमूल विधायक के मुताबिक, अयोध्या में बाबरी मस्जिद विध्वंस की घटना आज भी देश के मुस्लिम अल्पसंख्यकों की भावनाओं को आहत करती है।

तृणमूल नेता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भले ही राम मंदिर बना हैं, लेकिन अयोध्या या कहीं और मस्जिद बनाने को लेकर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इसलिए वे पहल करके बंगाल की धरती पर मस्जिद का निर्माण कराना चाहते हैं। हुमायूं ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जहां बाबरी मस्जिद थी, वहां 18 से 19 फीसदी अल्पसंख्यक रहते हैं। फिलहाल बंगाल में 35 फीसदी मुस्लिम रहते हैं। और मुर्शिदाबाद में करीब 70 फीसदी मुस्लिम आबादी हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अनंतनाग के अलावा मुर्शिदाबाद भारत का सबसे अधिक मुस्लिम बहुल जिला है। इसकारण उनका मानना है कि बंगाल की धरती पर इसी जिले में बाबरी मस्जिद होनी चाहिए। इसके लिए उन्होंने रेजीनगर या बेलडांगा में से किसी एक स्थान पर एक ट्रस्ट के माध्यम से 2 एकड़ यानी 6 बीघा जमीन खरीदकर इस मस्जिद के निर्माण की पहल खुद की है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले मुर्शिदाबाद जिले के विभिन्न मदरसों के संचालकों को साथ लाकर एक मस्जिद ट्रस्ट बनाया जाएगा और फिर मस्जिद का निर्माण शुरू होगा। तृणमूल विधायक ने कहा, इस ट्रस्ट के सदस्यों की संख्या 200 या उससे अधिक हो सकती है।

महाराष्ट्र में शिंदे गुट को गृहमंत्रालय नहीं देगी भाजपा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र को देवेंद्र फडणवीस के रुप में नया मुख्यमंत्री मिल चुका है, लेकिन अब तक मंत्रालयों को लेकर चर्चाएं जारी हैं। सूत्रों के हवाले से खबर है कि भारतीय जनता पार्टी ने शिवसेना को गृह मंत्रालय देने से मना कर दिया है। गुरुवार को हुए समारोह के दौरान फडणवीस ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वहीं, एकनाथ शिंदे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी चीफ अजित पवार उपमुख्यमंत्री बने।

रिपोर्ट में भाजपा के सूत्र के हवाले से बताया, भाजपा ने गठबंधन के साथ शिवसेना को दो कूट कह दिया है कि वह उन्हें गृहमंत्रालय नहीं दे सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, भाजपा ने शिंदे को राजस्व, शहरी विकास और लोक निर्माण विभागों में से चुनने के विकल्प दिए हैं। साथ ही अजित पवार को वित्त और योजना देने की बात कही है।

फडणवीस ने कहा था कि 16 दिसंबर से नागपुर में शुरू हो रहे शीतकालीन सत्र से पहले कैबिनेट विस्तार होगा। वहीं, रिपोर्ट के अनुसार, भाजपा के अंदरूनी सूत्रों ने संकेत दिए थे कि कैबिनेट का विस्तार विशेष सत्र के दौरान 7 से 9 दिसंबर के बीच हो सकता है।

बताया जा रहा हैं कि महायुति में शिवसेना की तरफ से गृह मंत्रालय मिलने का दबाव मिल रहा था। इधर, 288 में से 132 सीटें अपने नाम करने वाली भाजपा गृहमंत्रालय भी अपने पास रखने पर जोर दे रही है। फडणवीस ने हाल ही में कहा, केंद्र में भाजपा की अगुवाई वाली सरकार है। दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्रालय भाजपा के पास है। इसके बाद उसी पार्टी को गृहमंत्रालय मिलने से आपसी सहयोग आसान हो जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा के सूत्रों ने बताया है कि भाजपा के पास 18 से 20 मंत्री हो सकते है। शिवसेना के पास 12 से 14 मंत्री और एनसीपी को 9 से 11 मंत्री हो सकते है। संभावनाएं हैं कि महायुति सरकार में 30 से 35 मंत्री बन सकते हैं। राज्य में सीएम सहित कुल 43 मंत्री रह सकते हैं। खबर है कि भाजपा ऊर्जा, जल संसाधन, आदिवासी कल्याण, आवास, ग्रामीण विकास, ओबीसी कल्याण और उच्च और तकनीकी शिक्षा भी लेने के मूड में है।

पिछली सरकार में भाजपा के पास राजस्व और लोक निर्माण विभाग थे। अब अगर शिवसेना शहरी विकास संभालती है, तब राजस्व या लोक निर्माण भाजपा को मिलेगा। इधर, शिवसेना को उद्योग, स्कूल शिक्षा, स्वास्थ्य, जल आपूर्ति, अल्पसंख्यक विकास और वक्फ बोर्ड विकास, मराठी भाषा सहित कुछ विभागों में प्राथमिकता मिल सकती है।

पीडीपी का नई सरकार को संदेश, ज्वलंत मुद्दों की भरमार हैं और साझा आधार दुर्लभ

श्रीनगर । पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने कहा है कि जम्मू कश्मीर में शासन के लिए केंद्र के साथ ''संवेदनशील बातचीत'' की जरुरत है। पीडीपी ने कहा, जम्मू कश्मीर पर प्रभावी ढंग से शासन के लिए केंद्र के साथ बेहतर तालमेल होना जरुरी है, जैसा कि नई सरकार (जम्मू कश्मीर में) ने भी स्वीकार किया है। पीडीपी ने कहा कि उसके दिवंगत संरक्षक मुफ्ती मोहम्मद सईद जानते थे कि जम्मू कश्मीर के व्यापक हित के लिए गैर-पारंपरिक रास्ते तलाशान होगा। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की तरह अधिक शांतिप्रिय एवं मैत्रीपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया। पार्टी ने कहा, ''भाजपा का सीमित स्थानीय प्रभाव है, बावजूद इसके जम्मू कश्मीर के अपना वाजिब हक पाने के लिए रणनीतिक भागीदारी आवश्यक है। हाल में दो सरकारी कर्मचारियों की मनमाने ढंग से बर्खास्तगी सवाल खड़े करती है। यह तब समय में हुआ है, जब केंद्र शासित प्रदेश में लोकप्रिय सरकार है। फिलहाल, सभी लोगों की निगाहें नई सरकार पर टिकी हैं।' पीडीपी ने कहा कि जम्मू कश्मीर में चुनाव जीतना राजनीतिक यात्रा का सबसे आसान हिस्सा हो सकता है। पार्टी ने कहा, ''वास्तविक चुनौती जनता की अपेक्षाओं और संघर्ष के जटिल जाल को संभालना है, जहां ज्वलंत मुद्दों की भरमार हैं और साझा आधार दुर्लभ है। इतना ही नहीं केंद्रशासित प्रदेश में बेरोजगारी अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गई है। रोजगार सृजन महत्वपूर्ण है, लेकिन यह एकमात्र समाधान नहीं है।

स्कूली बच्चों का अपहरण करते पकड़ाए तीन साधु, ग्रामीण ने की जमकर पिटाई

-पुलिस ने हिरासत में लेकर की पूछताछ, मामला दर्ज कर मुचलके पर छोड़ा

सुल्तानपुर (एजेंसी)। यूपी के सुल्तानपुर में भगवा वस्त्र धारण किए तीन साधु मॉब लिंचिंग से बच गए। स्कूली बच्चों के अपहरण के चलते गांव वालों ने इन्हें घेरकर पीटा, जिसका वीडियो सामने आया। पुलिस ने तीनों साधुओं को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें अपहरण की बात की पुष्टि नहीं हुई। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज करके निजी मुचलके पर साधुओं को छोड़ दिया है।

लम्भुआ कोतवाली क्षेत्र में प्राथमिक विद्यालय चाचपारा है। जहां सत्यम, प्रांजल, आदिति और अंश नाम के बच्चे स्कूल गए थे और प्रधान अध्यापिका को जानकारी दी कि साधु के भेस में लोग उन्हें कार में बैठाकर ले जा रहे थे। इसकी सूचना परिजनों को दी गई। इस पर गांव वालों ने साधुओं की गाड़ी को घेर लिया। फिर उन्हें कार से उतारकर उनकी जमकर पिटाई कर दी। इसका वीडियो वायरल हो गया।

इस बीच डायल 112 की टीम मौके पर पहुंच गई और साधुओं को बचाकर कोतवाली लम्भुआ लेकर आई जहां साधुओं से पूछताछ की गई। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि तीन साधु ग्राम के प्राथमिक विद्यालय के पास नजर आए, जहां पर कुछ हल्ला-गुल्ला होने पर गांव और आस-पास के लोग आ गए। एक बच्चे की मां की सूचना के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। उन्होंने बताया कि तीनों अभियुक्तों को पुलिस हिरासत में पूछताछ के लिए लाया गया। पूछताछ में पता चला कि तीनों व्यक्ति नोएडा से निकले थे। वे कुम्भ मेला प्रयागराज जाने वाले थे और उनके पास जो गाड़ी थी वह खेरकन सेरखा, हरियाणा मठ के कर्मवीर नाथ पुत्र जवाहर नाथ के नाम पंजीकृत है। तीनों साधू 6 दिसम्बर को यहां पहुंचे थे और केएनआईटी के पास स्थित हनुमान मंदिर में रात बिताई। तीनों के परिचय और प्रमाणिकताएं पुलिस द्वारा सत्यापित की गईं। प्रथम दृष्टया अपहरण के चेष्टा के घटना की पुष्टि नहीं हो पा रही है। चाचपारा निवासी अमर यादव ने बताया सुबह 7 बजे साधू बाबा का ये गिरोह फोर व्हीलर से यहां आया था। ये लोग रास्ता पूछ रहे थे, उसके बाद ये लोग गौतमपुर गए। वापसी में ये लोग जब बच्चे स्कूल जा रहे थे तो उन्हें खींच कर ये गाड़ी में बैठा रहे थे। इनके पास नशीली दवा भी थी। जब ग्रामीणों को पता चला और चीख-पुकार मची तो इन्हें पकड़ा लिया। पुलिस को सूचित किया गया। साधुओं की पहचान ओमवीर नाथ पुत्र सुंदर नाथ, परमेश्वर नाथ पुत्र सुंदर नाथ निवासी ग्राम तुशियाना ईकोटेक थाना ग्रेटर नोएडा और सुमित नाथ पुत्र कर्मवीर नाथ ग्राम समस्तपुर थाना परीक्षितगढ़ मेरठ के रूप में हुई है। इनके विरुद्ध कई धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

डीएमके के खिलाफ 'राजशाही' वाली टिप्पणी पड़ा महंगा, उप महासचिव को वीसीके ने किया निलंबित

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) ने अपने उप महासचिव आधव अर्जुन को उनकी सहयोगी डीएमके पर तमिलनाडु में राजशाही को बढ़ावा देने का आरोप लगाने वाली विवादास्पद टिप्पणी के बाद छह महीने के लिए निलंबित कर दिया। यह निर्णय एक पुस्तक विमोचन के दौरान आधव के भाषण के बाद आया है, जिस पर सत्ताधारी पार्टी और उसके नेतृत्व की कथित आलोचना हुई थी। कार्यक्रम में आधव ने कहा कि तमिलनाडु अब राजशाही को पनपने नहीं देगा। जन्म के आधार पर मुख्यमंत्री की नियुक्ति नहीं की जानी चाहिए।

टिप्पणियों को व्यापक रूप से मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर सीधे तौर पर कटाक्ष के रूप में समझा गया, जिन्होंने अपने पिता एम करुणानिधि के बाद राज्य का शीर्ष पद संभाला था। वीसीके नेता और चिदंबरम सांसद थोल थिरुमावलवन ने आधव की टिप्पणियों की निंदा करते हुए कहा कि वे पार्टी के

विचारों को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि उनकी टिप्पणियां कुछ सिद्धांतों से जुड़ी हुई लग सकती हैं, लेकिन इससे सार्वजनिक आलोचना हुई है और हमारी पार्टी की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा है। 7 दिसंबर को वरिष्ठ नेताओं के साथ विचार-विमर्श के बाद पार्टी ने अनुशासनात्मक कार्रवाई का फैसला किया।

यह पहली बार नहीं है जब आधव के बयान पर विवाद हुआ है। इस साल की शुरुआत में, उन्होंने मंत्री के रूप में उदयनिधि स्टालिन की नियुक्ति पर सवाल उठाया, जिससे द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन के भीतर सत्ता-साझाकरण पर बहस छिड़ गई। यह निलंबन गठबंधन के भीतर तनाव को रेखांकित करता है क्योंकि तमिलनाडु 2026 के विधानसभा चुनावों की ओर बढ़ रहा है। तिरुमावलवन ने संकेत दिया कि आधव के स्पष्टीकरण पर विचार किया जा सकता है। हालाँकि, उन्होंने कहा कि वीसीके व्यक्तिगत कार्यों पर पार्टी अनुशासन को प्राथमिकता देता है।

कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना थल्ली की साड़ी का रंग बदला, कलश और मुकुट को हटाया

-भाजपा ने इसे तेलगू अस्मिता पर हमला करार दिया

हैदराबाद (एजेंसी)। कांग्रेस की रेवंत रेड्डी सरकार से फैसले से तेलंगाना में घमासान मचा है। दरअसन कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना थल्ली यानी तेलंगाना की माता की प्रतिमा का स्वरूप बदल दिया। कांग्रेस सरकार ने देवी के स्वरूप से तेलगू संस्कृति की प्रतीक वथकम्मा के कलश और मुकुट को हटाया है। उनकी साड़ी के रंग को भी बदल दिया है। बीजेपी ने इस बदलाव को तेलगू अस्मिता पर हमला करार दिया है। वहीं भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने इसके खिलाफ तेलंगाना हाई कोर्ट में अर्जी लगा दी है।

बीजेपी का आरोप है कि कांग्रेस सरकार राजनीतिक हितों के लिए तेलंगाना की सांस्कृति पहचान से छेड़छाड़ कर रही है। कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी पार्टी की सर्वोच्च नेता सोनिया गांधी को तेलंगाना की मां बोलते हैं। अब उन्हें खुश करने के लिए तेलंगाना की पहचान रही तेलंगाना थल्ली की छवि बदल रही है। कांग्रेस ने वथकम्मा कलश हटाकर देवी के हाथ खाली कर दिए हैं। उनके शरीर से तेलंगाना की समृद्धता की प्रतीक कमरबंद, पैरों में पहने जानी वाली विछुवा और गुलाबी साड़ी भी बदल दी है। गौरव का प्रतीक मुकुट भी हटाया गया है। बीजेपी का आरोप है कि यह संयोग नहीं, बल्कि सीएम रेड्डी ने नई मूर्ति के उद्घाटन के लिए सोनिया गांधी के जन्मदिन को चुना है। देवी के हाथ इसलिए खाली किए गए, वह कांग्रेस का चुनाव चिन्ह है।

तेलगू क्षेत्र में पहले से तेलगू थल्ली की धन्य-धान्य और समृद्धि देने वाली देवी के तौर पर पूजा होती रही है। उन्हें आंध्र माता कहा जाता है। नए राज्य तेलंगाना के आंदोलन के दौरान लोगों ने देवी का स्थानीय स्वरूप 'तेलंगाना थल्ली' दे दिया। इस प्रतीकात्मक मूर्ति को निर्मल जिले के निवासी बी वेंकटरमण ने डिजाइन किया था। यह मूर्ति तेलंगाना आंदोलन का प्रतीक भी बनी। 2003 में हैदराबाद के टीआरएस हेडक्वॉर्टर में 'तेलंगाना थल्ली' की पहली प्रतिमा लगाई गई। तेलंगाना के गठन के बाद यह प्रतिमा कई जगह लगाई गई।

तेलंगाना थल्ली की पहली प्रतिमा में देवी को गडवाल और पोचमपल्ली के प्रसिद्ध रेशमी कपड़ों की प्रतीक गुलाबी साड़ी पहनाई गई। उनके हाथ में मक्के की बाली दी गई, जो भरपूर धन्य-धान्य और कृषि से जुड़ी थी। देवी के दूसरे हाथ में रखा गया बथकम्मा की कलश तेलंगाना के सबसे बड़े त्यौहार का प्रतीक था, जो नवरात्रों के दौरान मनाया जाता है। उन्हें समृद्धि का प्रतीक मुकुट भी पहनाया गया। उन्हें करीम नगर के प्रसिद्ध आभूषणों कमरबंद पहनाया गया और महिलाओं की सांस्कृतिक परंपरा से जुड़ी पैरों में पहनने वाले बिछुवा से सजाया गया था। अब नए डिजाइन में देवी का मुकुट गायब है। उनकी गुलाबी साड़ी को हरा कर दिया गया है। कमरबंद हटा दिए गए हैं। हाथ में बथकम्मा का कलश भी नहीं है। चूड़ियां भी लाल से हरी हो गई हैं।

वहीं केसीआर के बेटे और पूर्व राज्य मंत्री के टी रामा राव ने कहा कि रेवंत रेड्डी तेलंगाना से केसीआर की

विरासत को मिटाने की जल्दबाजी में हैं। उन्होंने कहा कि देवी की नई प्रतिमा तेलंगाना की पहचान का अपमान है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी सत्ता में लौटने पर राज्य सचिवालय में स्थापित राजीव गांधी की प्रतिमा को हटा देगी और उसकी जगह तेलंगाना थल्ली की मूल प्रतिमा स्थापित करेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन में तूफान का कहर, हजारों घरों में बिजली गुल, रेल सेवा बाधित, उड़ानें रद्द

लंदन, एजेंसी। तूफान दर्राघ के कारण शनिवार को ब्रिटेन में हजारों घरों में बिजली गुल हो गई, रेल-हवाई यात्रा बाधित हुई और खेल कार्यक्रम रद्द कर दिए गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, नेशनल ग्रिड ने बताया कि लगभग 60,000 परिसरों में बिजली नहीं थी, जिनमें वेल्स में 35,000 से अधिक और दक्षिण-पश्चिम में 19,000 से अधिक परिसर शामिल हैं। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्डिफ एयरपोर्ट ने शनिवार दोपहर तक अपना रनवे बंद कर दिया। लिवरपूल और मैनचेस्टर जैसे अन्य एयरपोर्ट पर उड़ानें पूरे दिन रद्द रहीं या देरी से चलीं। नेशनल रेल ने कहा कि तूफान के कारण भारी बारिश और हवा की वजह से महत्वपूर्ण व्यवधान आने की आशंका है, जिससे पूरे वीकेंड में इंग्लैंड, वेल्स और स्कॉटलैंड में सेवाएं प्रभावित होने की संभावना है। शनिवार को होने वाले एवर्टन और लिवरपूल के बीच मर्सीसाइड डर्बी सहित खेल आयोजनों को खराब मौसम और तेज हवाओं के कारण सुरक्षा कारणों से स्थगित या रद्द कर दिया गया। मौसम विभाग ने हवा के लिए दुर्लभ रेड वार्निंग जारी की, जो शनिवार दोपहर तक दक्षिण पश्चिम इंग्लैंड और वेल्स में प्रभावी रही। देश के अन्य हिस्सों में भी हवा और बारिश के लिए कई एम्बर और येलो वार्निंग जारी की गईं। इस बीच, 100 से अधिक बाढ़ चेतावनियां और अलर्ट भी जारी किए गए हैं। आयरलैंड में, लगभग 4,00,000 घरों, दुकानों और ऑफिस में बिजली नहीं रही, कई उड़ानें रद्द कर दी गईं। मौसम के चौथे तूफान, दर्राघ के परिणामस्वरूप रेल सेवाएं बाधित हुईं।

पाकिस्तान : सैन्य ऑपरेशन में मारे गए 6 सुरक्षाकर्मी और 22 आतंकवादी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में विभिन्न सैन्य अभियानों में 22 आतंकवादी और 6 सुरक्षा कर्मी मारे गए। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने शनिवार को एक बयान में कहा कि सुरक्षा बलों ने उत्तर-पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के विभिन्न जिलों में अभियान चलाया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, टैंक जिले में एक खुफिया-ऑपरेशन के दौरान नौ आतंकवादी मारे गए और छह अन्य घायल हो गए। एक अन्य ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में आतंकवादियों के ठिकानों पर छापा मारा, जिसमें 10 आतंकवादी मारे गए। वहीं, सुरक्षा बलों ने हंगू जिले में एक सुरक्षा चौकी पर हमला करने के आतंकवादियों के प्रयास को नाकाम कर दिया और तीन आतंकवादियों को मार गिराया। बयान में कहा गया कि हंगू जिले में ऑपरेशन के दौरान छह सैनिक मारे गए। बता दें कि 21 नवंबर को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (केपी) के लोउर कुर्रम इलाके में यात्री वाहनों के काफिले पर हुई गोलीबारी में कम से कम 38 लोग मारे गए थे। अहमदी शमा के स्टेशन हाउस ऑफिसर कलीम शाह ने यह जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि मृतकों में तीन महिलाएं भी थीं। गृह मंत्री ने कहा था, केपी हमारे प्रांतों में से एक हैं, हमारे देश का हिस्सा हैं और हम इसे पीछे नहीं छोड़ेंगे। हम हर मुमकिन मदद करेंगे। घटना का ब्यौरा देते हुए केपी सरकार के प्रवक्ता बैरिस्टर डॉ. सैफ ने बताया था कि पहले पुलिसकर्मियों पर हमला किया गया और फिर दोनों तरफ से यात्रियों के काफिले को निशाना बनाया गया। काफिले में करीब 200 वाहन थे।

नेपाल-चीन के बीच बीआरआई पर भारत को नुकसान नहीं : महासेठ

ढाका, एजेंसी। नेपाल में सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के नेता एवं पूर्व उपप्रधानमंत्री रघुबीर महासेठ ने कहा कि भारत को नेपाल और चीन द्वारा हस्ताक्षरित 'बेल्ट एंड रोड' समझौते पर आपत्ति नहीं जतानी चाहिए क्योंकि इस संपर्क परियोजना से नई दिल्ली को भी लाभ हो सकता है। नेपाल-चीन के बीच कई अरब डॉलर के बीआरआई' समझौते पर बुधवार को हस्ताक्षर किए गए, जिससे दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त हो गया।

आइवरी कोस्ट में दो बसों के हादसे में 26 मौतें, 28 घायल

आइवरी कोस्ट, एजेंसी। पश्चिम अफ्रीका स्थित कोत दिव्वार (आईवरी कोस्ट) में दो बसों की भीषण टक्कर में 26 लोगों की मौत हो गई और 28 अन्य घायल हो गए। परिवहन मंत्रालय ने कहा, देश के मध्य-पश्चिम में ब्रोकोआ गांव में दो वाहनों की टक्कर हो गई। मारे गए 26 लोगों में से दस की मौत टक्कर के बाद लगी आग में झुलसने से हुई। खस्ताहाल सड़कों और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण पश्चिमी अफ्रीकी देश में सड़क दुर्घटनाएं आम हैं। यहां ऐसे हादसों में प्रतिवर्ष 1,000 से अधिक लोग मारे जाते हैं।

सीरियाई राष्ट्रपति देश छोड़कर भागे, सेना बोली- उनकी सत्ता खत्म

विद्रोही राजधानी दमिश्क पहुंचे, पीएम सत्ता सौंपने को तैयार, टैंकों पर चढ़कर जश्न मना रहे लोग

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद देश छोड़कर भाग चुके हैं। सेना ने असद के देश छोड़ने की पुष्टि करते हुए कहा कि देश में राष्ट्रपति की सत्ता खत्म हो चुकी है। सीरिया में पिछले 11 दिनों से विद्रोही गुटों और सेना के बीच कब्जे के लिए लड़ाई चल रही थी। विद्रोही लड़ाके राजधानी दमिश्क में घुस चुके हैं। सीरियाई पीएम ने विद्रोहियों को सत्ता सौंपने का प्रस्ताव दिया है। मोहम्मद गाजी अल जलाली ने एक रिकॉर्डिंग में कहा है कि वो देश में ही रहेंगे और जिसे भी सीरिया के लोग चुनेंगे उसके साथ मिलकर काम करेंगे।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक हफ्ते में विद्रोहियों ने सीरिया के चार बड़े शहरों पर कब्जा कर लिया है। इनमें अलेप्पो, हमा, होम्स और दारा शहर शामिल है। विद्रोही लड़ाके राजधानी दमिश्क में दारा शहर की तरफ से घुसे हैं, जिस पर उन्होंने 6 दिसंबर को कब्जा किया था। दारा वही शहर है, जहां से 2011 में राष्ट्रपति बशर अल-असद के खिलाफ विद्रोह की शुरुआत हुई थी और पूरे देश में जंग छिड़ गई थी। दारा से राजधानी दमिश्क की दूरी करीब 100 किमी है। यहां स्थानीय विद्रोहियों ने कब्जा किया है। वहीं, अलेप्पो, हमा और होम्स इस्लामी चरमपंथी ग्रुप हयात तहरीर अल-शाम की गिरफ्त में है। संघर्ष की वजह से

अब तक 3.70 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है।

असद ने 11 दिन में सत्ता गवाई : सीरिया में 27 नवंबर को सेना और सीरियाई विद्रोही गुट हयात तहरीर अल शाम (HTS) के बीच 2020 की सीजफायर के बाद फिर संघर्ष शुरू हुआ था। इसके बाद 1 दिसंबर को विद्रोहियों ने सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो पर कब्जा कर लिया। इसे राष्ट्रपति बशर अल असद ने सीरिया की जंग के दौरान 4 साल की लड़ाई के बाद जीता था। अलेप्पो जीतने के 4 दिन बाद विद्रोही गुटों ने एक और बड़े शहर हमा और फिर दक्षिणी शहर दारा पर कब्जा कर लिया। इसके बाद राजधानी दमिश्क को दो दिशाओं से घेर लिया है। दारा और राजधानी दमिश्क के बीच सिर्फ 90 किमी की दूरी है। इस तरह असद ने सिर्फ 11 दिन के भीतर अपनी सत्ता गवां दी और सीरिया पर असद परिवार के 50 साल का शासन खत्म हुआ।

अमेरिकी मीडिया हाउस सीएनएन के मुताबिक विद्रोही बशर अल असद को खोजने में जुटे हैं। वे सीरियाई सेना के अधिकारियों और इंटेलिजेंस अफसरों से पूछताछ कर रहे हैं। दमिश्क पर विद्रोहियों के कब्जे के बाद से असर और उनके परिवार को लेकर कोई जानकारी नहीं है। हालांकि, कुछ रिपोर्टस में दावा किया गया है कि वे रूस जा चुके हैं।

असद परिवार के 50 साल के शासन का अंत : साल 2000 में हाफिज की मौत के बाद बशर ने सीरिया की सत्ता संभाली। इसके बाद से बशर सीरिया के राष्ट्रपति थे। 2011 में जब मिडिल ईस्ट में अरब क्रांति की शुरुआत हुई तब सीरिया में भी असद के खिलाफ विद्रोह शुरू हुए, जिन्हें बेरहमी से कुचल दिया गया। इसके बाद वहां गृह युद्ध की शुरुआत हुई। अब बशर के देश छोड़ने के बाद विद्रोहियों ने वीडियो जारी कर कहा कि देश में असद परिवार के काले युग का अंत हो गया है। हम देश में नए युग की शुरुआत की घोषणा करते हैं।

ट्रम्प बोले- सीरिया की लड़ाई से हमारा लेना देना नहीं : सीरिया में विद्रोही गुट हयात तहरीर अल शाम और सेना की बीच टकराव लगातार बढ़ता जा रहा है। विद्रोही अब तक सीरिया के तीन प्रमुख शहरों पर कब्जा कर चुके हैं। इसे लेकर डोनाल्ड ट्रम्प ने बयान जारी कहा है कि अमेरिका को सीरिया की लड़ाई में शामिल नहीं होना चाहिए। एक्स पोस्ट में ट्रम्प ने कहा- सीरिया में तबाही मची हुई है, लेकिन वो हमारा दोस्त नहीं है। अमेरिका का इससे कोई लेना-देना नहीं होना चाहिए। यह हमारी लड़ाई नहीं है। इसे चलने दो। अगर रूस को सीरिया से बाहर जाने के लिए मजबूर किया गया तो ये उसके लिए फायदे की बात हो सकती है, क्योंकि वहां उसका कोई खास फायदा नहीं है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक ईरान ने शुक्रवार से सीरिया से अपने सैन्य कमांडरों, रिवोल्यूशनरी गार्ड से जुड़े लोगों, राजनयिक कर्मचारियों और उनके परिवारों को निकालना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट में ईरानी अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि ईरान पहले की तरह असद सरकार का साथ देने में असमर्थ है। अधिकारी ने बताया कि दमिश्क में रह रहे विशेष कर्मचारियों को विमानों से तेहरान लाया जा रहा है। जबकि बाकियों को जमीनी रास्ते से लताकिया बंदरगाह जा रहे हैं जहां से वे ईरान पहुंचेंगे।

विदेश मंत्री जयशंकर मनामा डायलॉग में भाग लेने के लिए बहरीन पहुंचे

मनामा, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर मनामा डायलॉग में भाग लेने के लिए मनामा बहरीन पहुंचे. जयशंकर का स्वागत बहरीन के विदेश मंत्री ने किया. वह रविवार और सोमवार को बहरीन में रहेंगे. इस दौरान महत्वपूर्ण मुद्दों पर समकक्षों के साथ चर्चा करेंगे. जयशंकर ने एक्स पर इस संबंध में जानकारी दी. इसमें उन्होंने कहा, आज शाम मनामा पहुंचकर बहुत प्रसन्न हूं. अपने भाई विदेश मंत्री डॉ. अब्दुल्लातिफ बिन राशिद अल जायनी से मिलकर बहुत अच्छा लगा. मनामा वार्ता में शामिल होने को लेकर उत्साहित हूं. मुझे विश्वास है कि यह वार्ता सार्थक होगी. विदेश मंत्री अपनी यात्रा के दूसरे चरण के तहत बहरीन की यात्रा कर रहे हैं. वे 8 से 9 दिसंबर तक बहरीन में रहेंगे, जहां वे बहरीन के विदेश मंत्री अब्दुल्लातिफ बिन राशिद अल जायनी के साथ चौथे भारत-बहरीन उच्च संयुक्त आयोग की सह-अध्यक्षता करेंगे. इस मंत्रिस्तरीय बैठक में द्विपक्षीय संबंधों के पहलुओं की समीक्षा की जाएगी. साथ ही दोनों देशों के बीच संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने की दिशा में वार्ता की जाएगी. विदेश मंत्री 8 दिसंबर को बहरीन में आईआईएसएस मनामा वार्ता के 20वें संस्करण में भी भाग लेंगे. इस वर्ष की मनामा वार्ता का विषय है क्षेत्रीय समृद्धि और सुरक्षा को आकार देने में मध्य पूर्व नेतृत्व. भारत और बहरीन के बीच सौहार्दपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और लोगों के बीच संपर्कों की विशेषता वाले उत्कृष्ट द्विपक्षीय संबंध हैं. दोनों देशों के बीच कई उच्च स्तरीय बातचीत हुई है जो दोनों देशों के बीच संबंधों की निकटता को दर्शाती है. विदेश मंत्रालय ने कहा कि बहरीन भारत के साथ अधिक आर्थिक जुड़ाव की तलाश में है क्योंकि बहरीन बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्व और क्षमता को पहचानता है और हाल के दिनों में इसकी पूर्व की ओर देखो नीति में भारत एक प्रमुख धुरी के रूप में है. दोनों देशों के बीच सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सहयोग है. दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंध भी बढ़ रहे हैं।

चीन ने ताइवान के पास 14 युद्धपोत, 7 सैन्य विमान एवं चार गुब्बारे भेजे, ताइवान ने लगाया आरोप

ताइपे, एजेंसी। चीन ने ताइवान पर अपने दावों को लेकर दबाव बनाने की रणनीति के तहत द्वीप के निकट 14 युद्धपोत, सात सैन्य विमान और चार गुब्बारे भेजे। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। चीन ने ऐसे समय में ये सैन्य गतिविधियां की हैं जब ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते की अमेरिका समेत प्रशांत क्षेत्र के सहयोगी देशों की हालिया यात्रा के जवाब में बीजिंग द्वीप के आसपास सैन्य अभ्यास कर सकता है। चीन दो करोड़ 30 लाख लोगों की आबादी वाले स्वशासित ताइवान को अपना क्षेत्र मानता है और ताइवान के साथ अन्य देशों के औपचारिक संबंधों पर आपत्ति जताता है। अमेरिका समेत अधिकतर देश ताइवान को एक देश के रूप में मान्यता नहीं देते लेकिन अमेरिका अनौपचारिक तौर पर ताइवान का प्रमुख समर्थक है और इसे हथियार बेचता है। चीन सरकार ने आवश्यकता पड़ने पर सैन्य बल के माध्यम से ताइवान पर कब्जा करने का संकल्प लिया है तथा वह लगभग हर रोज द्वीप के निकट अपने पोत और सैन्य विमान भेजता है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, शनिवार सुबह छह बजे से रविवार सुबह छह बजे के बीच 24 घंटे में 14 युद्धपोत, सात सैन्य विमान और चार गुब्बारे देखे गए। मंत्रालय ने कहा कि इनमें से छह विमानों ने ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार किया।

पेरिस के आर्कबिशप की दस्तकों के बाद खुला ऐतिहासिक चर्च; 2019 अग्निकांड के बाद हुआ था बंद

पेरिस , एजेंसी। नोट्रे डेम कैथेड्रल को आज फिर से जनता के लिए खोला गया। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के बहाली और पुनर्निर्माण के बाद आधिकारिक उद्घाटन से पहले, इस ऐतिहासिक स्थल की झलक पेश की गई। 900 साल पुरानी इस इमारत के पुनर्निर्माण में हजारों वास्तुकारों और कारीगरों ने काम किया। नोट्रे डेम के उद्घाटन में कई देशों के प्रमुख और प्रमुख गणमान्य लोग शामिल होंगे, जिनमें नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूके के प्रिंस विलियम आदि भी शामिल हैं। वहीं, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने नोट्रे डेम कैथेड्रल को बचाने, मदद करने और पुनर्निर्माण करने वालों के प्रति आभार व्यक्त किया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पेरिस के आर्कबिशप लॉरेंट उलरिच ने नोट्रे डेम के दरवाजे पर तीन बार दस्तक दी, जो आधिकारिक तौर पर कैथेड्रल के फिर से खुलने का प्रतीक है। लगभग पांच साल पहले, फ्रांस के प्रसिद्ध नोट्रे डेम कैथेड्रल में भीषण आग लगी थी। अप्रैल 2019 में लगी आग ने छत का अधिकांश हिस्सा नष्ट कर दिया था। 12वीं शताब्दी की गॉथिक शैली की कृति का शिखर गिर गया था। इस आग के पीछे का कारण शॉर्ट सर्किट माना गया था। साथ ही आग को बुझाने में लगभग 400 फायर फाइटर्स को 15 घंटे कड़ी मशक्कत करनी पड़ी थी। शिखर के अलावा, कैथेड्रल के अंदर कुछ अवशेष और कला भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं, हालांकि, घंटाघर और अग्रभाग सुरक्षित रहे। उसी साल, 1803 के बाद पहली बार कैथेड्रल में क्रिसमस मास का आयोजन नहीं

हुआ था। राष्ट्रपति मैक्रों ने पांच साल में फिर से चर्च बहाली का वादा किया था राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक भावनात्मक भाषण में पांच साल के भीतर कैथेड्रल को फिर से बहाल करने का वादा किया था। अब, 2,055 दिन और 800 मिलियन डॉलर के खर्च के बाद पुनर्निर्माण पूरा हो गया है, हालांकि कैथेड्रल के बाहरी हिस्से पर काम अभी भी जारी है। कैथेड्रल की बाहरी मूर्तियों, जिनमें प्रसिद्ध गार्गॉयल्स और चिमेरास भी शामिल हैं, को कंप्यूटर से स्कैन किया गया और फिर चूना पत्थर से फिर से बनाया गया। करीब 2,000 शिल्पकार, वास्तुकार और अन्य पेशेवरों ने इस नवीकरण कार्य में हिस्सा लिया। इसमें छत की मरम्मत, नए पत्थर का काम, 17वीं शताब्दी के तेल चित्रों की बहाली और क्षतिग्रस्त खिड़कियों का नवीनीकरण शामिल था। छत की पुनर्निर्माण के लिए लगभग 2,000 ओक के पेड़ों का इस्तेमाल किया गया। 40000 वर्ग मीटर पत्थर साफ किया अब, भविष्य में आग लगने की स्थिति में पानी की बूंदों को छोड़ने के लिए पाइपों की एक प्रणाली बनाई गई है। सबसे कठिन काम उस धूल और गंदगी को साफ करना था जो सदियों से इमारत पर जमा हो गई थी। करीब 40,000 वर्ग मीटर पत्थर को साफ किया गया। 2019 में आग लगने से पहले, प्रति वर्ष लगभग 12 मिलियन लोग नोट्रे डेम का दौरा करते थे।

अमेरिका में टिकटॉक पर बैन लगभग तय : फेडरल कोर्ट ने पेरेंट कंपनी बाइटडांस की हिस्सेदारी बेचने को कहा

वाशिंगटन, एजेंसी। चाइनीज शॉर्ट वीडियो ऐप टिकटॉक पर अमेरिका में बैन लगना लगभग तय हो गया है। कोर्ट ने टिकटॉक को 19 जनवरी तक अपनी पेरेंट कंपनी बाइटडांस की हिस्सेदारी बेचने के लिए कहा है, नहीं तो ऐप को अमेरिका में बैन कर दिया जाएगा। यूएस की एक फेडरल कोर्ट ने शुक्रवार को ऐप की फ्री स्पीच वाली अपील को खारिज कर दिया है। तीन जजों की बेंच ने सुनवाई करते हुए बाइटडांस के आरोप को खारिज करते हुए कहा कि अमेरिका का कोई भी कानून किसी भी तरह फ्री स्पीच को नहीं रोकता है।

न्यायाधीश डगलस गिन्सबर्ग ने फैसले में लिखा- अमेरिका में फ्री स्पीच की रक्षा करने के लिए पहला संविधान संशोधन मौजूद है। सरकार ने दुश्मन देश से फ्री स्पीच की रक्षा की है। अमेरिका ने विरोधी देश को अमेरिकी लोगों का डेटा इकट्ठा करने से रोका है। भारत सरकार जून-2020 में और ब्रिटेन सरकार मार्च-2023 में चाइनीज शॉर्ट वीडियो ऐप को बैन कर चुकी है। इसके अलावा

पाकिस्तान, नेपाल और अफगानिस्तान सहित करीब 50 देशों ने भी टिकटॉक पर प्रतिबंध लगा रखा है।

है मामला: क्या हैं विकल्प? सुप्रीम कोर्ट जा सकती हैं कंपनियां - बाइटडांस और टिकटॉक सुप्रीम कोर्ट में फैसले को चुनौती दे सकती हैं, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि अदालत इस मामले को उठाएगी या नहीं। कंपनियों ने मामले को हायर कोर्ट में ले जाने के इरादे की पुष्टि कर चुकी हैं, उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के पास अमेरिकियों के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करने का एक स्थापित ऐतिहासिक रिकॉर्ड है।

नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रोक सकते हैं बैन : अगर 19 जनवरी को टिकटॉक पर बैन लगता है तो इसे रोका जा सकता है। क्योंकि, 20 जनवरी को नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शपथ लेंगे और माना जा रहा है कि ट्रंप टिकटॉक के बैन का विरोध कर सकते हैं। ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान टिकटॉक के बचाव की बात कही थी। हालांकि ऐसा करना कानूनी तौर पर संभव नहीं माना जा रहा है। एक विकल्प यह है कि ट्रंप इस कानून को वापस लेने के लिए कांग्रेस को भी कह सकते हैं, जिसमें रिपब्लिकन पार्टी का समर्थन चाहिए होगा। टिकटॉक ने 2022 में बाइडेन प्रशासन के सामने एक समझौते का प्रस्ताव पेश किया था, लेकिन प्रशासन का मानना है कि इसके पालन में तकनीकी चुनौतियां हो सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप का रुख नई जानकारियां मिलने के बाद बदल भी सकता है।

पाकिस्तान में राजेंद्र मेघवार ने रचा इतिहास; सीएसएस पास कर बने देश के पहले हिंदू पुलिस अधिकारी

सिंध , एजेंसी। पाकिस्तान में हिंदू अल्पसंख्यकों पर अत्याचार की खबरें तो अक्सर आती रहती हैं, लेकिन पहली बार एक ऐसी खबर आई है जिसने हिंदू अल्पसंख्यकों का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। दरअसल, सिंध प्रांत के ग्रामीण और अविकसित बदीन इलाके के राजेंद्र मेघवार पाकिस्तान में इतिहास रच दिया है। वे पाकिस्तान के पहले हिंदू पुलिस अधिकारी बन गए हैं।

सिविल सेवा प्राधिकरण परीक्षा सीएसएस को सफलतापूर्वक पास करने के बाद मेघवार को पाकिस्तान पुलिस सेवा (पीएसपी) के फैसलाबाद में सहायक पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। पाकिस्तान हिंदू मंदिर प्रबंधन समिति के कृष्ण शर्मा ने उनकी सराहना करते हुए ये जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि राजेंद्र ने न केवल अपने करियर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, बल्कि समुदाय को भी गौरवान्वित किया है। उनकी उपलब्धि समुदाय के अन्य युवाओं को उनके नक्शेकदम पर चलने के लिए प्रेरित करेगी।

राजेंद्र मेघवार के पास अल्पसंख्यक समुदाय की मदद का मौका : सहायक पुलिस अधीक्षक के रूप में काम करते हुए राजेंद्र मेघवार के पास हिंदू अल्पसंख्यकों की मदद का भी मौका है। फैसलाबाद के पुलिस अधिकारियों भी इसे गर्वीला मौका मान रहे हैं। उनका कहना है कि फोर्स में राजेंद्र मेघवार की नियुक्ति से न केवल कानून-व्यवस्था में सुधार होगा, साथ ही साथ अल्पसंख्यक समुदायों की परेशानी भी आसानी से दूर हो सकेगी। इससे पुलिस में आम जनता का भी भरोसा बढ़ेगा।

पांच अन्य हिंदू छात्रों ने भी पास की सीएसएस परीक्षा : राजेंद्र मेघवार के अलावा, पांच अन्य हिंदू छात्रों ने भी ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इनके नाम रूप मती मेघवार, पूजा ओड, सुनील मेघवार, जीवन रिबारी और भीष्म मेघवार हैं। इन्होंने प्रतिष्ठित सेंट्रल सुपीरियर सर्विसेज (सीएसएस) परीक्षा उत्तीर्ण कर पाकिस्तान में प्रशासनिक और नौकरशाही में बड़े पद हासिल किए हैं। रूपमती विदेश मंत्रालय में काम करना चाहती हैं।

पुष्पा कोहली थी सिंध की पहली महिला पुलिस अधिकारी : पहली बार पाकिस्तान के सिंध प्रांत की किसी हिंदू लड़की के रूप में पुष्पा कोहली की नियुक्ति हुई थी। प्रांतीय प्रतियोगी परीक्षा पास करने के बाद उन्हें असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर का पद मिला था। उससे पहले, पाकिस्तानी हिंदू समुदाय की सुमन पवन भोदानी को सिविल और न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायाधीश के तौर पर नियुक्त किया गया था।

साउथ कोरिया में राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव फेल : विपक्ष जरूरी 200 वोट नहीं जुटा पाया

सियोल, एजेंसी। साउथ कोरिया में राष्ट्रपति यून सुक-योल को हटाने के लिए लाया गया महाभियोग प्रस्ताव फेल हो गया। इसे पास होने के लिए 200 वोटों की जरूरत थी, लेकिन विपक्ष के पास सिर्फ 192 सांसद ही थे। इसके अलावा सत्तारूढ़ दल के तीन सांसदों ने इसके पक्ष में वोट किया। इसके बाद वोटों को गिने बिना ही प्रस्ताव को रद्द कर दिया गया। महाभियोग पर वोटिंग से पहले सत्ताधारी पार्टी के 108 सांसदों में से 107 ने सदन से वॉकआउट कर दिया था। हालांकि बाद में इनमें से 3 सांसद वापस आ गए थे। साउथ कोरियाई संसद के स्पीकर वू वोन शिक ने इस रिजल्ट को बहुत को अफसोसजनक और लोकतंत्र के लिए शर्मनाक बताया।

राष्ट्रपति यून ने 3 दिसंबर को विपक्षी पार्टी पर नॉर्थ कोरिया से सांठगांठ करने और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाकर देश में मार्शल लॉ लागू कर दिया था। जिसके बाद विपक्ष उनके खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाया था। बुधवार को नया संसदीय सत्र शुरू होने के बाद विपक्षी दल फिर से महाभियोग प्रस्ताव पेश कर सकते हैं।

राष्ट्रपति ने मार्शल लॉ के लिए सिर झुकाकर माफी मांगी : वहीं राष्ट्रपति यून सुक-योल ने मार्शल लॉ लगाने के लिए देश से माफी मांगी है। उन्होंने लाइव टीवी पर सिर झुकाकर जनता के सामने मार्शल लॉ लगाए जाने को गलत कहा। हालांकि उन्होंने इस्तीफे की घोषणा नहीं की। अपना पक्ष रखते हुए उन्होंने कहा- मैंने राजनीतिक या कानूनी वजहों से मार्शल लॉ लगाने का फैसला नहीं लिया बल्कि यह फैसला हताशा में लिया गया था। राष्ट्रपति की पत्नी से जुड़े मामले पर भी वोटिंग साउथ कोरिया की सदन में राष्ट्रपति पर महाभियोग के अलावा

उनकी पत्नी के भ्रष्टाचार से जुड़े मामले पर भी वोटिंग जारी है। दरअसल साउथ कोरिया की फर्स्ट लेडी पर आरोप है कि उन्होंने 13 साल पहले कोरियन शेयर मार्केट में स्टॉक की कीमतों में हेरफेर कराई थी। अब विपक्ष इस मामले में जांच के लिए अलग प्रोसिक्यूटर की नियुक्ति चाहता है जिसके लिए वोटिंग हो रही है।

राष्ट्रपति के पद छोड़ने पर 60 दिन में चुनाव कराना जरूरी अगर यून मई 2027 में अपने पांच साल का कार्यकाल खत्म होने से पहले पद छोड़ते हैं, तो संविधान के मुताबिक, 60 दिनों के भीतर राष्ट्रपति चुनाव कराना जरूरी होगा। संसद में महाभियोग प्रस्ताव पास होने पर यून के खिलाफ कोर्ट में मुकदमा चलाया जाएगा। जहां 9 में से 6 के जजों के वोट से प्रस्ताव साबित हो जाएगा। फिलहाल साउथ कोरिया की कोर्ट में सिर्फ 6 जज हैं, इस वजह से यह साफ नहीं है कि 7 जजों के बिना ये मुकदमा चलेगा या नहीं। राष्ट्रपति ने मार्शल लॉ लगाया, विरोध के बाद 6 घंटे में हटाया साउथ कोरिया में राजनीतिक संकट तब शुरू हुआ जब राष्ट्रपति ने 3 दिसंबर को मार्शल लॉ लगाने की घोषणा की। इसके बाद देशभर में विरोध प्रदर्शन होने लगे थे और अराजकता की स्थिति पैदा हो गई। इसी बीच देश की नेशनल असेंबली में मौजूद 190 सांसदों ने सर्वसम्मति से इस फैसले पलट दिया, जिसके बाद राष्ट्रपति मार्शल लॉ को हटाने का वादा किया था।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीजेपी कार्यकर्ता उमेश तिवारी की धड़ाधड़ फायरिंग पूरी घटना में कैद CCTV

पांच राउंड फायरिंग ,फायरिंग के दौरान दो लोगों के पैर में गोली लग गई।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के डिंडोली इलाके में शादी समारोह के दौरान फायरिंग की घटना सामने आई है। डीजे की धुन पर नाचते-नाचते बीजेपी कार्यकर्ता उमेश तिवारी ने अपनी रिवॉल्वर निकालकर पांच राउंड फायरिंग कर दी। इस घटना में नाच रहे दो युवकों के पैरों में गोली लग गई, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाना पड़ा। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर घटना स्थल पर लाकर पंचनामा किया। आरोपी ने हवा में 3 राउंड और जमीन पर 2 राउंड फायरिंग की थी। बम-स्क्वॉड की टीम भी जांच के लिए मौके पर पहुंची।

फायरिंग की घटना सीसीटीवी में कैद डिंडोली की शक्ति सोसायटी में बीती रात (8 दिसंबर) करीब 11 बजे बीजेपी कार्यकर्ता और डेनिश केक के मालिक उमेश तिवारी अपने दोस्त की शादी समारोह में नाच रहे थे। इस दौरान उमेश ने अपना प्रभाव दिखाने के लिए लाइसेंसी रिवॉल्वर निकालकर धड़ाधड़ फायरिंग की। उन्होंने हवा में तीन राउंड फायरिंग की और दो राउंड फायरिंग लोगों के बीच नाचते-नाचते की।

इस घटना में उमेश तिवारी की लापरवाही के कारण डीजे पर नाच रहे दो व्यक्तियों को चोट लगी। बीजेपी कार्यकर्ता उमेश तिवारी द्वारा की गई यह धड़ाधड़ फायरिंग मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

घायल युवक कुर्सी से गिर पड़ा सीसीटीवी में साफ दिख रहा है कि फायरिंग के बाद घायल युवक कुर्सी पर बैठता है और कुछ देर बाद नीचे गिर जाता है। इसके बावजूद उमेश तिवारी रिवॉल्वर लेकर नाश्ता करते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह रिवॉल्वर उमेश तिवारी की लाइसेंसी बताई जा रही है।

आरोपी उमेश तिवारी पिछले कई वर्षों से भारतीय जनता पार्टी का सक्रिय सदस्य है और उसकी तस्वीरें शहर के बड़े नेताओं के साथ देखी गई हैं।

इस फायरिंग घटना में घायल युवक पानीपुरी के व्यवसाय से जुड़ा हुआ है और उसके पैर में गोली लगी है।

पुलिस ने उमेश को गिरफ्तार किया शान दिखाने के लिए हवा में फायरिंग करने वाले बीजेपी कार्यकर्ता उमेश तिवारी के खिलाफ डिंडोली पुलिस ने मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने रिवॉल्वर भी जब्त कर ली है।

अब लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू: डीसीपी

इस पूरे मामले में डीसीपी भगीरथ गढ़वी ने बताया कि आरोपी ने अपने परिवार के सदस्य की शादी में तीन राउंड फायरिंग की है। यह घटना सीसीटीवी में कैद हुई है। साथ ही, उसने अलग से कम से कम एक और अधिकतम दो राउंड फायरिंग की है, जिसमें दो व्यक्तियों को चोट लगी है। घायलों में से एक संतोष दूबे हैं, जो इस मामले में शिकायतकर्ता भी हैं और उनके पैर में गोली लगी है। दूसरे घायल व्यक्ति का नाम वीरेंद्र विश्वकर्मा है, जिन्हें भी गोली लगी है। पुलिस ने इन घायलों को लेकर मामला दर्ज किया है।

लाइसेंसधारी व्यक्ति ने नियमों का उल्लंघन करते हुए फायरिंग कर लापरवाही दिखाई है। इस संबंध में शिकायत दर्ज की गई है और रिवॉल्वर का लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, उमेश तिवारी पिछले चार वर्षों से रिवॉल्वर का लाइसेंस धारक है।

कोर्पोरेशन चुनाव और वार्ड प्रमुख पद के लिए दावेदारी की उमेश तिवारी लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी का सक्रिय सदस्य है। शहर के बड़े नेताओं के साथ उसकी तस्वीरें अक्सर देखी जाती हैं। वह उत्तर प्रदेश का निवासी है और पिछले कई वर्षों से सूरत शहर में रह रहा है। वर्तमान में, उसने डिंडोली के वार्ड नंबर 27 के वार्ड प्रमुख पद के लिए दावेदारी की है। इससे पहले, उसने सूरत नगर निगम चुनाव में भी टिकट की मांग की थी। वह अपने क्षेत्र में अपनी दबंग छवि दिखाने की कोशिश करता है और हमेशा अपनी कमर पर रिवॉल्वर लटका कर चलता है।

किस आधार पर लाइसेंस दिया गया? उमेश तिवारी अपनी तस्वीरें शहर के कुछ नेताओं और पुलिस अधिकारियों के साथ खींचकर सोशल मीडिया पर भी डालता है। वह आमतौर पर केक शॉप चलाता है। अब सवाल यह उठ रहा है कि उसे रिवॉल्वर का लाइसेंस किस आधार पर दिया गया, जबकि उसकी जान को कोई ऐसा खास खतरा नहीं था। यह अब चर्चा का विषय बन गया है।

सूरत की लाजपोर जेल में मारपीट, जेलर ने हमला करने वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज

3 कैदियों ने मिलकर एक अन्य कैदी पर स्टील की पतली पट्टी और चम्मच से हमला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की लाजपोर सेंट्रल जेल में 7 दिसंबर को सुबह 11:30 बजे यार्ड नंबर C-08 और बैरक नंबर 1 में हुए विवाद के कारण तीन आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इस घटना के दौरान तीन कैदियों ने अन्य कैदी इम्तियाज इकबाल बच्चाव पर हमला किया। हमले में इम्तियाज इकबाल बच्चाव घायल हो गए, जिससे उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाना पड़ा।

हमलावर कैदियों में अंडरट्रायल कैदी किरण उर्फ क्रुणाल हावसिंह सत्तूर देवीपूजक (यार्ड नंबर B-04, बैरक नंबर 2), रवि नटवर वसावा (यार्ड नंबर B-08, बैरक नंबर 2), और शिवा उर्फ शुभम हीरालाल चौहान (यार्ड नंबर C-10, बैरक नंबर 1) शामिल हैं। आरोप है कि इन कैदियों ने अज्ञात कारणों से इम्तियाज इकबाल बच्चाव के साथ विवाद किया और उन्हें धमकी दी।

इसके बाद स्टील की पतली पट्टी और स्टील के चम्मच से उन पर हमला किया।

घायल कैदी को इलाज के लिए ले जाना पड़ा

घटना की जानकारी मिलते ही ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों ने आरोपियों को अलग किया और उन्हें जेल के अधीक्षक के कार्यालय में ले जाया गया। पीड़ित इम्तियाज इकबाल बच्चाव को जेल अस्पताल में चिकित्सा जांच और इलाज के लिए भेजा गया।

इस मामले में लाजपोर केंद्रीय जेल के इंचार्ज जेलर डी. बी. राणा ने 8 दिसंबर को भारतीय जेल कानून की धारा 45 के तहत एफआईआर दर्ज करवाई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि यह पहली घटना नहीं है

जब कैदियों के बीच का विवाद इतना बढ़ गया कि एफआईआर दर्ज करनी पड़ी। इससे पहले सितंबर 2019 में भी एक कैदी पर मुखबिरी का शक होने पर पांच कैदियों ने हमला किया था। इसके अलावा, अन्य मामलों में भी जेल में मारपीट की घटनाएं होती रहती हैं।

राज्य में लगातार तीसरे दिन आरोपियों के 'वरघोड़े' निकाले गए

सूरत में बीजेपी कार्यकर्ता और राजकोट, वडोदरा में गुंडागर्दी करने वालों को पुलिस ने कानून का एहसास कराया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राज्य में इस समय शादी का मौसम चल रहा है और शहनाई की आवाज के साथ परिवारजन वरराजा का वरघोड़ा निकाल कर शादी के स्थल पर पहुंचते हैं। अब इसी शादी के मौसम के बीच, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के बयान के बाद पुलिस भी जैसे वरराजा की तरह आरोपियों के 'वरघोड़े' निकालकर कानून का एहसास करा रही है। राज्य में लगातार तीसरे दिन पुलिस ने आरोपियों के 'वरघोड़े' निकाले। इसमें सूरत में शादी के मौके पर बीजेपी कार्यकर्ता उमेश तिवारी ने अपनी रिवॉल्वर निकालकर पांच राउंड फायरिंग की। वहीं वडोदरा में कुछ दबंगों ने खुलेआम तलवार से युवक पर हमला किया। दूसरी ओर, राजकोट में मामूली बात पर सार्वजनिक रूप से चाकू दिखाकर कार चालक को धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने चंद घंटों में पकड़कर सार्वजनिक रूप से 'वरघोड़ा' निकाला और कानून का एहसास कराया।

नौकरी की मामूली बात पर आरोपी ने चाकू दिखाकर कार चालक को धमकाया।

राजकोट में पिछले कुछ समय से असामाजिक तत्वों का आतंक बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। 9 दिसंबर शहर के ए डिवीजन पुलिस स्टेशन क्षेत्र के टैगोर रोड पर विराणी चौक में एक एक्टिवा चालक ने सामान्य वाहन को टक्कर मारने जैसी मामूली बात पर गुस्से में आकर अपनी डिक्की से एक बड़ी धारदार चाकू निकालकर कार चालक को धमकी दी। पूरे घटनाक्रम का वीडियो वायरल हो गया, जिसके बाद पुलिस ने चंद घंटों में आरोपी को पकड़ लिया और कानून का एहसास कराया। घटना स्थल पर जाकर रीकंस्ट्रक्शन भी किया गया।

पकड़े गए आरोपी का नाम दिव्यराजसिंह रघुवीरसिंह जडेजा बताया गया है और पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि उसके खिलाफ पहले भी मारपीट और सार्वजनिक आदेश भंग के दो अलग-अलग मामले दर्ज हो चुके हैं। इस घटना के बाद आरोपी युवक ने हाथ जोड़कर माफी मांगते हुए और यह कहते हुए एक वीडियो बनाया कि यह उसकी गलती थी।

पुलिस ने उमेश का 'वरघोड़ा' निकालकर कानून का एहसास कराया।

9 दिसंबर को हवाई फायरिंग करने वाले बीजेपी कार्यकर्ता उमेश तिवारी के खिलाफ डिंडोली पुलिस ने मामला दर्ज कर गिरफ्तारी की। पुलिस ने उसकी रिवॉल्वर भी जब्त की। इसके बाद पुलिस ने आरोपी का 'वरघोड़ा' निकालकर घटना स्थल पर पंचनामा किया। इस दौरान बम-स्क्वॉयड की टीम भी घटना स्थल पर पहुंची।

ड्रग्स के 'एपी सेंटर' समान रांदेर में बनेगा एंटी-नारकोटिक्स यूनिट मामलों में से 70 प्रतिशत रांदेर क्षेत्र से संबंधित हैं।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में होने वाले एनडीपीएस (नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटांसेस) मामलों में से 70 प्रतिशत रांदेर क्षेत्र से संबंधित हैं। अब, रांदेर में एक एंटी-नारकोटिक्स यूनिट बनाने की योजना है, जो ड्रग्स से संबंधित अपराधों को नियंत्रित करने के लिए काम करेगी। इसके अलावा, बंद पड़ी फैक्ट्रियों को भी पुलिस के रडार पर रखा गया है, क्योंकि ये स्थान ड्रग्स के कारोबार के लिए इस्तेमाल हो सकते हैं।

सूरत शहर में पिछले 4 वर्षों में 43 करोड़ रुपये के नशेले पदार्थ सूरत पुलिस द्वारा जब्त किए गए हैं। इतनी बड़ी मात्रा में ड्रग्स और नशेले पदार्थ मिलने के बाद पुलिस ने ड्रग्स सप्लायरों और वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है। हाल ही में सूरत शहर में एक एंटी-नारकोटिक्स यूनिट (यूनिट) शुरू की गई है, लेकिन अब नशे की समस्या को नियंत्रित करने के लिए सूरत पुलिस जल्द ही एक और नारकोटिक्स यूनिट रांदेर क्षेत्र में शुरू करेगी, जो सूरत शहर के ड्रग्स एपी सेंटर के रूप में जाना जाता है।

रांदेर क्षेत्र को ड्रग्स माफियाओं का गढ़ माना जाता है। सूरत में अब तक दर्ज सभी ड्रग्स मामलों में से लगभग 70 प्रतिशत मामले रांदेर क्षेत्र से किसी न किसी तरह जुड़े हुए हैं। इसी कारण सूरत पुलिस अब रांदेर क्षेत्र में दूसरा एंटी-नारकोटिक्स यूनिट स्थापित करने जा रही है। पहले एक यूनिट सूरत शहर के स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय के पास वेसु क्षेत्र में स्थापित की गई थी, जहां एनडीपीएस मामलों से जुड़े ड्रग्स उपयोगकर्ताओं को मुख्यधारा में लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

शहर में 'नो ड्रग्स इन सूरत सिटी' अभियान 2020 से शुरू किया गया था। तब से सभी पुलिस स्टेशनों, एसओजी और क्राइम ब्रांच द्वारा उन इलाकों में कार्रवाई की जा रही है, जहां ड्रग्स का खतरा था। अब तक 172 मामलों में कुल 43 करोड़ रुपये के विभिन्न प्रकार के नशेले पदार्थ जब्त किए गए हैं, जिनमें एमडी, चरस, गांजा और एलएसडी शामिल हैं। कुल 425 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

एक साल में 13 करोड़ रुपये के नशेले पदार्थों की जब्ती 2024 में 56 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें 13 करोड़ रुपये के नशेले पदार्थों की जब्ती की गई है। इनमें चरस, कफ सिरप, एलएसडी, एमडी ड्रग्स और गांजा शामिल हैं। 146 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

चार वर्षों में 218 वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी पुलिस कमिश्नर अनुपम सिंह गहलोत ने बताया कि गुजरात सरकार की नीति के तहत "टॉप टू बॉटम" और "बॉटम टू टॉप" रणनीति को लागू किया गया है, जिसमें यह जांच की जाती है कि ड्रग्स कहां से आ रहे हैं और कहां जा रहे हैं, कौन लोग इसमें शामिल हैं, और ड्रग्स के कार्टेल कैसे काम करते हैं। पिछले चार वर्षों में 218 वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है, जो विभिन्न एनडीपीएस मामलों से जुड़े थे। उनकी गिरफ्तारी गुजरात के बाहर के विभिन्न राज्यों से की गई है। इस कार्रवाई से ड्रग्स पर नियंत्रण पाने में सफलता मिली है।

शहर के 80 से अधिक साइकीयाट्रिस्ट डॉक्टरों की सूची तैयार सूरत पुलिस कमिश्नर अनुपम सिंह गहलोत ने कहा कि ड्रग्स कार्टेल को पकड़ने के साथ-साथ पेडलरों को भी गिरफ्तार किया जा रहा है। इसके अलावा, जो लोग नशे की लत में फंसे हुए हैं, उन्हें मुख्यधारा में लाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। सूरत के वेसू पुलिस स्टेशन में शुरू की गई एंटी-नारकोटिक्स यूनिट द्वारा यह कार्यवाही की जा रही है। नशे में फंसे लोगों की मदद के लिए शहर के 80 से अधिक साइकीयाट्रिस्ट डॉक्टरों की सूची तैयार की गई है, और उनके संपर्क नंबर इन लोगों के साथ साझा किए जाएंगे।

सूरत पुलिस कमिश्नर अनुपम सिंह गहलोत ने यह भी बताया कि रांदेर क्षेत्र में एक और एंटी-नारकोटिक्स यूनिट शुरू करने के लिए काम चल रहा है। खाली जगहों की पहचान करने का काम भी प्रगति पर है, ताकि इस क्षेत्र के लोग इसका लाभ उठा सकें।

उन्होंने यह भी कहा कि सूरत पुलिस द्वारा बंद पड़ी और संदिग्ध इंडस्ट्रीज पर भी नजर रखी जा रही है, खासकर GIDC क्षेत्र से जुड़ी फैक्ट्रियों पर। ऐसे मीटिंगों में कृषि विभाग के अधिकारियों की भी उपस्थिति रहती है। यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष सावधानी बरती जाती है कि संदिग्ध उत्पाद या नशेले पदार्थों की पैदावार न हो। संदिग्ध फैक्ट्रियों के बारे में लगातार जानकारी प्राप्त की जा रही है। क्राइम ब्रांच और एसओजी टीम GIDC क्षेत्रों में समन्वय बनाकर नजर रखती है।

उन्होंने कहा कि मुंबई से आने वाले कई मामलों में भी गिरफ्तारियां की गई हैं। ड्रग्स सप्लायर्स को मुंबई से सूरत लाया गया है। एक आरोपी की गिरफ्तारी अनंतनाग (जम्मू-कश्मीर) से की गई है। नाइजीरियाई आरोपियों की भी गिरफ्तारी की गई है। टॉप लीडर्स को पकड़ने के साथ-साथ पेडलरों और उपयोगकर्ताओं पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, ताकि "टॉप टू बॉटम" और "बॉटम टू टॉप" दोनों स्तरों पर कार्रवाई की जा सके।

उधना क्षेत्र के महावीर कॉम्प्लेक्स के पास गाड़ी पार्किंग को लेकर हुए विवाद में एक व्यापारी की हत्या

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में एक और हृदयविदारक हत्या की घटना सामने आई है। उधना क्षेत्र के महावीर कॉम्प्लेक्स के पास गाड़ी पार्किंग को लेकर हुए विवाद में एक व्यापारी की हत्या कर दी गई। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी मचा दी है। एक मामूली विवाद ने पल भर में खून-खराबे का रूप ले लिया और एक निर्दोष व्यक्ति को अपनी जान गंवानी पड़ी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सूरत पुलिस के डीसीपी भगीरथसिंह गढ़वी ने बताया कि उधना थाना क्षेत्र के महावीर कॉम्प्लेक्स के पास मार्केट में हत्या की घटना हुई है। यह घटना लगभग साढ़े चार बजे के आसपास घटी। मृतक सुभाषभाई जब अपनी गाड़ी लेकर कॉम्प्लेक्स में आए, तो वहां एक व्यक्ति के साथ उनकी कहासुनी हो गई।